प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अक्टूबर, 2024को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी को अभूतपूर्व हैट्रिक और जम्मू-कश्मीर में अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया,

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:298 दिनांक:09-10-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा चुनावों के संदेश भिन्न हैं। जहां जम्मू-कश्मीर चुनावों ने विश्व को यह संदेश दिया कि भारत के इस भूभाग में लोकतंत्र सशक्त और जीवंत है ये संदेश बहुत ही महत्वपूर्ण हैं ।

हरियाणा में भाजपा एक नया कीर्तिमान,गलत साबित हुए सभी एग्जिट पोल

भाजपा ने कांग्रेस को पीछे छोड़ा,भगवामय हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में इंडिया सरकार

किसान आंदोलन पर भारी पड़ा भाजपा का 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का ऐलान ,- फारूक अब्दुल्ला बोले- उमर सीएम बनेंगे, रविंदर रैना का भाजपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा

-जम्मू-कश्मीर में खुला आम आदमी पार्टी का खाता, मेहराज मलिक को मिली जीत

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम मंगलवार को आए। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बार चौंका दिया। कांग्रेस इस बार जीत को लेकर आश्वस्त थी। एग्जिट पोल्स से लेकर सियासी बयानों तक यही संकेत मिल रहे थे कि भाजपा इस बार मुकाबले में कमजोर है। लेकिन चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आए हैं। भाजपा ने राज्य की 90 में से 48 सीटें जीती है, जो पिछली बार से 8 सीट अधिक है। यानी भाजपा ने हैट्रिक लगा ली है। वहीं जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन की नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस को 42 और कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं। भाजपा ने 29 सीटें जीती है। पीडीपी को 3 सीट मिली। एक-एक सीट आम आदमी पार्टी और जेपीसी के खाते में आई। 7 निर्दलीय भी जीते। 90 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 46 है। इस बीच, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे। उमर अब्दुल्ला को दो सीटों बडगाम और गांदरबल पर जीत मिली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं। उन्होंने कहा- मैं लोगों के फैसले को स्वीकार करती हूं। उधर भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना नौशेरा सीट से हार गए। हार के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बार चौंका दिया। कांग्रेस इस बार जीत को लेकर आश्वस्त थी। कांग्रेस में यह मंथन भी होने लगा था कि 65 से ज्यादा सीटें आती हैं तो कमान किसे सौंपी जाएगी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला, तीनों नेता सीएम पद पर अपनी दावेदारी को लेकर ताल ठोंक रहे थे। युवाओं में बेराजगारी और किसानों-पहलवानों की नाराजगी जैसे मुद्दे को कांग्रेस जोरशोर से उठा रही थी। इस सबके बावजूद भाजपा कांग्रेस की बगल से जीत को निकालकर ले गई। यह कुछ ऐसा ही है, जैसे कुश्ती में बगलडूब दांव होता है, जब एक पहलवान सामने वाले पहलवान की बगल और पकड़ से बाहर निकलकर उसे परास्त कर देता है।

यहां तक कि भाजपा के आंतरिक सर्वेक्षण में भी 35 से 38 सीटों का अंदाजा लगाया गया था। इसके बाद भाजपा ने ऐसी 18 सीटों पर अपना ध्यान केंद्रित किया, जहां पर मुकाबला बहुकोणीय था। वहीं, 39 ऐसी सीटों पर भी भाजपा ने जोर लगाया, जहां उसका कांग्रेस से सीधा मुकाबला था। उधर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी कह चुके थे कि यदि गठबंधन की जरूरत पड़ी तो सारी व्यवस्थाएं हैं। हरियाणा में 15वीं विधानसभा चुनाव में 67.90 प्रतिशत मतदान हुआ। यह 2019 के विधानसभा चुनाव में 67.92 प्रतिशत के मुकाबले .02 प्रतिशत कम रहा। राज्य के विधानसभा चुनाव के इतिहास में यह चौथा मौका था, जब सबसे कम मतदान हुआ। इसे सत्ता विरोधी लहर से जोडक़र देखा गया क्योंकि 10 साल से भाजपा यहां सत्ता में थी।

किसी भी एग्जिट पोल में भाजपा को बहुमत मिलने का अनुमान नहीं लगाया था। आठ एग्जिट पोल्स यही बता रहे थे कि कांग्रेस के 10 साल बाद वापसी करने के संकेत हैं। हरियाणा के चुनावी इतिहास में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ, जब किसी दल ने हैट्रिक लगाई हो। कोई भी दल लगातार तीसरी बार सरकार नहीं बना पाया। इस बार भाजपा ने रिकॉर्ड बना दिया। 2014, 2019 में जीत के बाद 2024 के विधानसभा चुनाव में भी वह सरकार बनाने की स्थिति में है।

दुष्यंत चौटाला की जजपा ने 2019 में 14.9 फीसदी मत हासिल किए थे। यह माना गया था कि जाट समुदाय की वजह से जजपा को ये वोट मिले थे। वहीं, इस बार यह माना जा रहा है कि जजपा के वोट बैंक का ज्यादातर हिस्सा कांग्रेस में और कुछ हिस्सा इनेलो में शिफ्ट हो गया। कांग्रेस को पिछली बार 28.2 फीसदी वोट मिले थे, जबकि इस बार वह 40 फीसदी मत हासिल करती दिख रही है। जजपा को इस बार महज एक फीसदी वोट मिलते दिख रहे हैं। वहीं भाजपा को कांग्रेस से एक फीसदी कम यानी 39 फीसदी वोट मिलते दिख रहे हैं। इसके बावजूद वह कांग्रेस से ज्यादा सीटें लाने में कामयाब रही।

हरियाणा की सियासत में बीते मार्च में तब बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब मनोहर लाल खट्टर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नायब सिंह सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया और वे मुख्यमंत्री बने। सैनी के जरिए भाजपा ने पंजाबी और पिछड़ा वोट बैंक पर पकड़ मजबूत कर ली। वहीं, खट्टर को केंद्र में भेज दिया गया।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की 90 सीटों में से 43 जम्मू और 47 कश्मीर में हैं। भाजपा ने जम्मू रीजन की सभी 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 29 सीटें जीती। वहीं कश्मीर रीजन की 47 सीटों पर भाजपा ने 20 कैंडिडेट उतारे थे। यहां भाजपा का खाता नहीं खुल पाया। गुरेज सीट से एक उम्मीद थी। यहां से फकीर मोहम्मद खान भाजपा के कैंडिडेट थे। फकीर मोहम्मद 28 साल पहले 1996 में गुरेज से निर्दलीय विधायक चुने गए थे। फिर कांग्रेस में गए, हार गए। इस बार बीजेपी से भी उन्हें हार मिली। नेशनल कॉन्फ्रेस और कांग्रेस का गठबंधन कश्मीर में पहले से मजबूत था।

बीजेपी ने नहीं दिया टिकट.....निर्दलीय लड़ चुनाव जीती देश की सबसे अमीर महिला

हिसार (ईएमएस)। हिसार विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने हिसार सीट पर जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के राम निवास रारा को 20,000 से अधिक वोटों से हराया है। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2024 तक सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति 3.65 लाख करोड़ रुपये थी।

बता दें कि ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री ने हिसार सीट से निर्दलीय नामांकन दाखिल किया था। नामांकन शपथ पत्र में दी गई जानकारी के मुताबिक, सावित्री जिंदल के विभिन्न बैंक खातों में करीब 4.09 करोड़ रुपए जमा हैं। उनके पास 165 करोड़ के शेयर और करीब 20 करोड़ रुपए के गहने हैं। इतना ही नहीं उनके पास करीब 80 करोड़ रुपए की कृषि और गैर-कृषि योग्य जमीन भी है। इसी साल मार्च में सावित्री जिंदल के बेटे पूर्व सांसद नवीन जिंदल भाजपा में शामिल हुए थे। वे कुरुक्षेत्र से भाजपा के सांसद हैं। नवीन जिंदल के भाजपा में शामिल होने के 3 दिन बाद ही पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गई थीं। उन्हें उम्मीद थी कि विधानसभा चुनाव में पार्टी उन्हें हिसार विधानसभा से टिकट जरूर देगी। मगर पार्टी ने पूर्व विधायक व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता पर तीसरी बार भरोसा जताकर उन्हें टिकट थमाया। जिस पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया।

गजब हो गया भाई.....जम्मू-कश्मीर में एक रैली और एक विधायक, हरियाणा में जोरदार प्रचार फिर आप के खाली हाथ

गुरुग्राम (ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में उलटफेर देखकर हर कोई हैरान हैं। लेकिन एक आंकड़ा ऐसा भी है, जो आपको चौंका देगा। मामला आम आदमी पार्टी से जुड़ा हुआ है। आप ने हरियाणा में जोर-शोर से चुनाव लड़ा। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कई रैलियां की। दावा था कि उनके बिना हरियाणा में सरकार नहीं बनेगी। लेकिन जब नतीजे आए तब पता चला कि उन्हें 1.5 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले, लेकिन एक भी सीट नहीं मिली। जबकि जम्मू-कश्मीर में केजरीवाल ने सिर्फ एक रैली की और उन्हें 0.5 प्रतिशत वोट भी मिले, वहीं सबसे बड़ी बात उनकी पार्टी का एक विधायक जीत गया।

हैरानी की बात ये है कि दुष्यंत चौटाला की जिस जननायक जनता पार्टी को पिछली विधानसभा में 10 सीटें मिलीं थीं। तब बीजेपी से मिलकर सरकार बनाई थी और डिप्टी सीएम तक बने, उसकी पार्टी को भी आम आदमी पार्टी से आधे वोट मिले हैं। जेजेपी को 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने वोट किया।

वोटों का गणित देखकर आप खुश जरूर होगी। क्योंकि 2019 विधानसभा चुनाव में आप को 1 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार उन्होंने अपना वोट बढ़ाया है। लेकिन जम्मू कश्मीर में उन्होंने जो कमाल किया, वह शानदार है। 0.5 प्रतिशत वोट पाकर उनका कैंडिडेट विधायक बन गया।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर की डोडा सीट पर आप ने मेहराज मलिक को चुनावी मैदान में उतारा था। मलिक ने बीजेपी के गजय सिंह राणा को करीब 4500 वोटों से हरा दिया है। यहां की अन्य विधानसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई, लेकिन सिर्फ डोडा की सीट पर कैंडिडेट की छवि की वजह से उन्हें शानदार जीत मिली है।

केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा, अति आत्मविश्वास ना हो.....चुनाव को हल्के में ना लें

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा में बीजेपी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापस आ रही है। विधानसभा चुनाव परिणाम में बीजेपी और मजबूत बनकर उभरी है। आम आदमी पार्टी ने भी हरियाणा चुनाव में हिस्सा लिया था। हालांकि, आप को एक भी सीट नहीं मिली। अब आम आदमी पार्टी के चीफ और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पहला रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव का बड़ा सबक यह है कि चुनावों में अति आत्मविश्वास ना हो।

केजरीवाल ने कहा कि चुनाव परिणामों का सबसे बड़ा सबक यह है कि चुनावों में कभी भी ओवर कॉन्फिडेंट नहीं होना चाहिए। केजरीवाल ने आप के पार्षदों को संबोधित कर कहा कि हरियाणा चुनाव परिणाम का सबसे बड़ा सबक यही है कि किसी को भी चुनाव में ओवर कॉन्फिडेंट नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेना चाहिए. हर चुनाव और हर सीट मुश्किल होती है।

केजरीवाल ने पार्टी पार्षदों से अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कड़ी मेहनत करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि उनके वार्ड से कूड़े का उचित तरीके से संग्रह और निपटान किया जाए। इस (दिल्ली) चुनाव में आपकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। हम चुनाव जीते बशर्ते आप अपने इलाकों से कूड़े का उचित संग्रह और निपटान सुनिश्चित करें जो एक बहुत ही बुनियादी बात है।

पूरे चुनाव प्रचार को देखें तो दो ही बातें समझ आती हैं। पहला, अपनी जीत को लेकर कांग्रेस पार्टी 'आंधी-तूफान' के चक्कर में फंस गई। खुद राहुल गांधी ने अपनी जनसभा में कह दिया कि प्रदेश में तो कांग्रेस की आंधी चल रही है। कांग्रेस पार्टी, प्रचंड जीत हासिल करने जा रही है। लिहाजा ऊपरी तौर पर ये बात कुछ गलत भी नहीं थी। कांग्रेस पार्टी की जनसभाओं में भीड़ तो जुट रही थी। वोटरों के बीच भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके पुत्र दीपेंद्र हुड्डा घूम रहे था। अगर प्रदेश स्तर के नेताओं की बात करें तो मीडिया भी इन्हें ही तव्वजो दे रहा था। हर जगह इन्हीं दोनों का जलवा था।

दूसरी तरफ भाजपा, जिसे लेकर यह प्रचार किया गया कि उसके नेताओं का विरोध हो रहा है। कई गांवों में किसानों ने उन्हें घुसने नहीं दिया। इन सबके बीच भाजपा अपने एक ही 'रामबाण' पर चलती रही। पार्टी ने गैर जाट वोटरों पर फोकस रखा। प्रदेश की आबादी में करीब 75 फीसदी हिस्सेदारी वाला यह वर्ग, तकरीबन साइलेंट रहा। भाजपा ने चुनाव को 'हुड्डा बनाम बीजेपी' बना दिया। भाजपा नेताओं ने कहा, अगर कांग्रेस आती है तो हुड्डा ही सीएम होंगे। किसी दूसरे व्यक्ति का नंबर नहीं आएगा। इस प्रचार का असर मंगलवार को वोटों की गिनती में देखने को मिला।

प्रदेश की राजनीति को करीब से समझने वाले वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र कुमार आगे कहते हैं, ये चुनाव पूरी तरह से जातिवाद पर चला गया था। कांग्रेस को उम्मीद थी कि उसे जाट एवं दलित वोटरों का पूर्ण समर्थन मिलेगा। इस भरोसे के पीछे खास वजह लोकसभा चुनाव था। प्रदेश की दस लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने पांच सीटें जीती थी। कांग्रेस पार्टी को जाट समुदाय, जिसकी आबादी करीब 25 फीसदी है और दलित समुदाय, जिसकी संख्या लगभग 20 प्रतिशत है, का समर्थन मिला था। कांग्रेस पार्टी को भरोसा था कि उसे विधानसभा चुनाव में इन वर्गों का समर्थन मिलेगा। अब वोटों की गिनती में ऐसा कुछ दिखाई नहीं पड़ा।

मुंबई में 12 बम धमाकों में गई थी 257 की जान,आरोपियों के खिलाफ सुनवाई शुरु

मुंबई(ईएमएस)। साल 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले में एक विशेष अदालत में सात आरोपितों के खिलाफ तीसरे चरण की सुनवाई शुरू हुई। ये आरोपित फरार चल रहे थे और अलग-अलग समय पर पकड़े गए थे। सुनवाई के दो चरणों में कोर्ट ने 106 लोगों को दोषी ठहराया है।

इनमें याकूब मेमन भी शामिल है, जिसे जुलाई 2015 में फांसी दी गई थी।इस मामले में गैंगस्टर अबू सलेम को 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 12 मार्च 1993 को मुंबई के अलग-अलग हिस्सों में 12 बम विस्फोट हुए थे, जिसमें 257 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह उस समय के दुनिया के सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक था। ये मुकदमा विशेष आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के न्यायाधीश वीडी केदार के समक्ष दो गवाहों की गवाही की रिकॉर्डिंग के साथ शुरू हुआ। सात लोग मुकदमे का सामना कर रहे हैं, इसमें फारूक मंसूरी उर्फ फारूक टकला, अहमद लंबू, मुनाफ हलारी, अबू बकर, सोहैब कुरेशी, सईद कुरेशी और यूसुफ बटका हैं। अभियोजन पक्ष मुकदमे के इस चरण के दौरान 41 नए गवाहों से पूछताछ कर सकता है। एक अधिकारी के अनुसार, मामले में 26 आरोपित अभी भी फरार हैं।

विनेश पर बृज भूषण का तंज, मेरा नाम लेकर खुद जीत गई कांग्रेस की नैया डूबो दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओलंपिक खिलाड़ी एवं पहलवान विनेश फोगाट ने बतौर कांग्रेस उम्मीदवार अपना पहला चुनाव जीत लिया। विनेश की जीत पर बीजेपी के कददावर नेता बृज भूषण सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस उम्मीदवार विनेश की जीत पर पूर्व डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष और भाजपा नेता सिंह ने कहा कि हमारा नाम लेकर अगर वे (विनेश फोगाट) जीत गईं तब इसका मतलब हम महान आदमी हैं। कम से कम मेरे नाम में इतना दम है कि मेरा नाम लेकर उनकी नईया पार हो गई लेकिन कांग्रेस को डुबो दिया...राहुल बाबा का क्या होगा?

भाजपा नेता और पूर्व सांसद सिंह ने कहा कि हरियाणा की जनता को बधाई। किसान आंदोलन और पहलवानों के आंदोलन के नाम पर हरियाणा की जनता को भ्रमित करने का प्रयास हुआ। इसके बाद भी हरियाणा की जनता ने भाजपा की सरकार बनाई है... सभी लोग बधाई के पात्र हैं। वहीं जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट ने अपनी जीत पर कहा, ये हर उस लड़की और महिला की लड़ाई है जो संघर्ष के रास्ते को हमेशा चुनती है... इस देश ने मुझे जो प्यार दिया है उसे मैं हमेशा बनाकर रखूंगी... अभी इंतजार कीजिए क्योंकि अभी सभी सीटों पर नतीजे साफ नहीं हुए हैं... अभी कुछ साफ नहीं है लेकिन जब सर्टिफिकेट हाथ में आएगा तब कांग्रेस पार्टी की ही सरकार बनेगी... राजनीति में आने के बाद अब मैं यहीं रहूंगी।

फोगाट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के योगेश कुमार को हराया। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। फोगाट ने कुमार को 6,015 मतों के अंतर से हराया। बता दें कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया उन पहलवानों में शामिल थे जिन्होंने बृजभूषण शरण सिंह पर कई जूनियर महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाते हुए पिछले साल दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर धरना दिया था. इस घटना के बाद भारतीय कुश्ती जगत में उथल-पुथल मच गई।

100 ईवी बसें चलेंगी, नोएडा एयरपोर्ट से दिल्ली जाना होगा आसान

ग्रेटर नोएडा,(ईएमएस)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए यमुना प्राधिकरण सौ ईवी बसें चलाएगा। यह बसे निजी संचालकों की मदद से चलाई जाएगी। मंडलायुक्त मेरठ मंडल सेल्वा कुमारी जे. ने बसों के संचालन को मंजूरी दे दी है। प्राधिकरण अधिकारी इसी सप्ताह एआरटीओ के साथ बैठक कर बसोंका मार्ग तय किया जाएगा। 15 नवंबर सेबसों का संचालन शुरू हो जाएगा।

पचास बसें एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए और पचास का संचालन यमुना प्राधिकरण के सेक्टरों की कनेक्टिविटी के लिए किया जाएगा। यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होने पर 250 बसें और चलाई जाएंगी। यात्रियों की एयरपोर्ट तक आवाजाही का चुनौतीपूर्ण है। इसके समाधान के लिए सौ ईवी बसों के संचालन कीयोजनातैयारकी गई है। यमुना प्राधिकरण के इस प्रस्ताव को मंडलायुक्त की मंजूरी मिल चुकी है। बसों के लिए मार्ग निर्धारण के लिए इसी सप्ताह बैठक होगी।

एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए संचालित होने वाली बसों को आइजीआइ एयरपोर्ट दिल्ली, दिल्ली के प्रमुख स्थानों के अलावा गाजियाबाद, नोएडा व ग्रेटर नोएडा के लिए चलाएगा जाएगा। इससे यात्री एयरपोर्ट तक आसानी से आ जा सकेंगे। यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का कहना है कि मार्ग निर्धारण में शुरुआत में डेढ़ सौ किमी तक का दायरा तय किया जाएगा। भविष्य में इसका दिल्ली समेत यूपी, हरियाणा, राजस्थान व उत्तराखंड के 26 जिलों का विस्तार किया जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की विस्तृत परियोजना रिपोर्टइन26 जिलों में मिलने वाले यात्रियों कीसंख्या के आधार पर ही बनाई गई थी।

कांग्रेस का ओवर कॉन्फिडेंट और जाटों पर भरोसा चुनाव नतीजों पर डाल रहा असर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हरियाणा चुनाव के लिए वोटों की गिनती शुरू होने के एक घंटे बाद कांग्रेस बीजेपी से आगे निकल गई थी। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में जश्न मनेना लगा। उसके बाद 10 बजे बड़ा उलटफेर हुआ और बीजेपी अचानक आगे निकल गई। इसके बाद बीजेपी आगे चलती रही और अब सरकार बनाने की स्थिति में दिख रही है। अब बीजेपी मुख्यालय में लड्डुओं, जलेबियों बंटने का दौर शुरु हो गया। वहीं, कांग्रेस कार्यालय सुनसान हो गया। हालांकि, अभी भी फाइनल आंकड़े आना है लेकिन नतीजों से बीजेपी की सरकार बनती दिखाई दे रही है।

अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर हरियाणा में कांग्रेस को इतनी बड़ी हार क्यों झेलनी पड़ रही है? कांग्रेस के पक्ष में पूरा माहौल था। इसके बावजूद कांग्रेस कहां पीछे रह गई और बीजेपी एंटी इनकनवेंसी के बावजूद भी जीत हासिल करने में कामयाब हो रही है। इसके अलग-अलग विश्लेषण सामने आ रहे हैं लेकिन कहीं ना कहीं वर्तमान में जो कहा जा रहा है वह यह है कि कांग्रेस को इस चुनाव में उसका आत्मविश्वास ले डूबा। कांग्रेस इस चुनाव में अत्यधिक ओवर कॉन्फिडेंट के साथ मैदान में उतरी थी। उसने मान लिया था कि इस बार वह ही जीतेंगे। तभी मंगलवार सुबह ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा के घर के बाहर जिस तरीके का माहौल था, उससे ऐसा लग रहा था कि वह सीएम बनने जा रहे हैं। चुनाव में कांग्रेस को जाटों पर भरोसा करना भी भारी पड़ गया। हरियाणा में 30 से 35 सीटों पर जाट वोटर्स का प्रभाव है। हरियाणा में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा जाट उम्मीदवार उतारे थे। उसकी यह राजनीति काम नहीं आई और इस चुनाव में बीजेपी बाजी मारती दिखाई रही है। जाट लैंड में भी बीजेपी को बढ़त मिल रही है। इसके अलावा किसानों और पहलवानों पर कांग्रेस निर्भर रही। किसानों का फैक्टर जितना मीडिया में दिखाई दे रहा था, जमीन पर उतना नहीं था। वहीं कुछ पहलवान बीजेपी के पक्ष में भी खड़े रहे थे।

चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि जीत निश्चित थी और उन्होंने सीएम पद के लिए प्रयास शुरू कर दिए थे। कांग्रेस के दिग्गज नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा और वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा के बीच सत्ता संघर्ष खुलकर सामने आ गया है, जिसके लिए पर्दे के पीछे काफी नुकसान हो रहा है। हुड्डा पर बहुत ज्यादा भरोसा किया गया। हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस ने जाट वोटों पर ध्यान केंद्रित किया, जाहिर तौर पर बीजेपी के पक्ष में गैर-जाट वोटों का एकीकरण हुआ। कांग्रेस की जीत ने राज्य में प्रभावशाली समुदाय आंका, जो अब भारी पड़ते नजर आ रहे हैं।

हरियाणा जीत की धमक महाराष्ट्र पहुंची, उद्धव सीएम चेहरा का समर्थन देने को तैयार

मुंबई (ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव का परिणाम आ चुका है। बीजेपी ने जोरदार ढ़ग से सत्ता में वापसी की है। भाजपा ने स्पष्ट बहुमत पाकर एग्जिट पोल और राजनीतिक पंडितों के सारे आंकड़ों और गणनाओं को फेल साबित किया है। अब महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र देश को सबसे ज्यादा सांसद देने वाला राज्य है, इसके बाद यहां होने वाले विधानसभा चुनाव का महत्व काफी बढ़ जाता है। हरियाणा चुनाव परिणाम की धमक महाराष्ट्र पहुंच भी चुकी है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि वे कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए तय किए गए चेहरे का समर्थन करुंगा। यूबीटी नेता ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र को बचाने के लिए वह अपने सहयोगी दलों की ओर से तय किसी भी चेहरे का समर्थन करने को तैयार है।

मुंबई में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी के घटक दलों (कांग्रेस और एनसीपी (एसपी)) की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए तय किए गए किसी भी दावेदार का मैं समर्थन करुंगा। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब उद्धव ने यह बात कही है। इसके पहले भी वे सीएम फेस को लेकर अपने मन की बात कह चुके हैं। दूसरी तरफ, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार पहले भी इस पर अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर चर्चा होगी। विधानसभा चुनाव परिणाम में आने वाली सीटों के आधार पर यह तय होगा।

ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र को बचाने के लिए वह कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए घोषित किसी भी चेहरे का समर्थन करुंगा। इस मौके पर उन्होंने महाराष्ट्र की शिंदे सरकार पर फेक नैरेटिव फैलाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने 'लड़की बहिन' स्कीम पर निशाना साधा। इस योजना के तहत योग्य महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये देने का प्रावधान किया गया है।

उद्धव लगातार मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग कर रहे हैं। इसके पहले अगस्त में भी उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) को सीएम उम्मीदवार घोषित कर देना चाहिए। साथ ही कहा था कि ज्यादा सीट हासिल करने वाल सहयोगी दल के नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा, यह लॉजिक कारगर नहीं होगा।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने लाओस जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम नरेन्द्र मोदी 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने 10 से 11 अक्टूबर तक लाओस जाएंगे। मोदी लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफांडोन के निमंत्रण पर लाओस दौरे पर जा रहे हैं। सिफांडोन आसियान के वर्तमान अध्यक्ष हैं। भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' का इस साल एक दशक पूरा हो रहा है। एक बयान में कहा गया है कि आसियान के साथ संबंध एक्ट ईस्ट नीति और भारत-प्रशांत दृष्टिकोण का एक केंद्रीय स्तंभ हैं। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के जरिए से भारत-आसियान संबंधों की प्रगति की समीक्षा करेगा और भविष्य की दिशा तय करेगा। बयान में कहा गया है कि शिखर सम्मेलन से इतर पीएम मोदी के द्विपक्षीय बैठकें करने की संभावना है।

माल्ट डिस्टिलरी सेक्टर में भी सरताज बनेगा भारत

नागपुर (ईएमएस)। पीएम मोदी का मेक इन इंडिया अभियान हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अब भारत माल्ट डिस्टिलरी सेक्टर में भी सरताज बनेगा। जी हां, शीवाज रीगल और एब्सोल्यूट वोदका बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी पर्नो रिका भारत में माल्ट डिस्टिलरी एंड मैच्योरेशन फेसिलिटी विकसित करने के लिए 1,785 करोड़ का निवेश करेगी। कंपनी का यह प्लांट महाराष्ट्र में नागपुर के बुटीबोरी में लगने वाला है।

पर्नोरीका के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नागपुरका बुटीबोरी यूनिट एशिया कासबसेबड़ामाल्टडिस्टिलरी एंड मैच्योरेशन यूनिट होगा। इस फेसिलिटी को तैयार करने में अभी करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इसमें जमीन की लागत शामिल है। फेसिलिटी को तैयार करने में अगले 10 साल में करीब 1785 करोड़ रुपये का निवेश का प्रस्ताव है। इस यूनिट में विश्व स्तरीय माल्ट स्पिरिट के उत्पादन के लिए एंड-टू-एंड क्षमता स्थापित की जाएगी। इसके शुरू होने पर वहां हर साल 13 मिलियन प्योर अल्कोहलिक लीटर का उत्पादन होगा। बुटीबोरी यूनिट को डेवलप करने के लिए पर्नो रिका और महाराष्ट्र सरकार के बीच 23 फरवरी 2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ था। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद से, पर्नोड रिका इंडिया ने परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए भूमि लागत सहित करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया था। इसी क्रम में अब प्लांट के लिए भूमि पूजन हो चुका है।

कंपनी का दावा है कि नागपुर के बुटी बोरी में स्थापित होने वाली माल्ट डिस्टिलरी से 90,000 किसानों को फायदा होगा। क्योंकि वहां भारी मात्रा में जौ खरीदेगी। इससे किसानों को उपज की भरपूर कीमत मिलेगी। कंपनी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में कई हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करेगी। फैक्ट्री में करीब 800 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

आरजी कर कॉलेज के 50 सीनियर डॉक्टर्स का इस्तीफा

-जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल के सपोर्ट में उठाया कदम, आज देशभर में अनशन

कोलकाता (ईएमएस)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को सामूहिक इस्तीफे दिए गए। 50 सीनियर डॉक्टर्स ने आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के समर्थन में रिजाइन किया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में कई डिपार्टमेंट और उनके हेड्स की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में इस्तीफा देने का फैसला लिया गया।

*एक सीनियर मेंबर ने कहा कि जूनियर डॉक्टर्स एक मकसद के लिए आमरण अनशन कर रहे हैं। हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं और यह संदेश देने के लिए हमने इस्तीफे दिए हैं। छह जू

जन हितैषी

हरियाणा के आश्चर्यजनक विधानसभा चुनाव परिणामः चुनाव आयोग चर्चाओं में

जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव की मतगणना चल रही है। मतगड़ना के दौरान चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर बवाल देखने को मिल रहा है। एग्जिट पोल के रुझान और शुरुआती मतगणना के रुझान के बाद जिस तरह से हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम का रुझान देखने को मिल रहा है। उसके बाद तरह-तरह की आशंकाएं और संदेह सामने आते चले गए। लोग समझ ही नहीं पाए, कि ईवीएम में यह कैसा चमत्कार हुआ है। जिसके कारण अप्रत्याशित चुनाव परिणाम का रुझान देखने को मिल रहा है। चुनाव आयोग का जो पोर्टल है, मतगणना केंद्रों मे सातवें चरण की मतगणना हो रही थी। चुनाव आयोग के पोर्टल में पहली और दूसरे चरण की मतगणना दिखाई जा रही थी। चुनाव आयोग का पोर्टल काफी विलंब से जानकारी दे रहा था। चुनाव आयोग का पोर्टल कई कई घंटे बाद अपग्रेड हो रहा था। चुनाव आयोग द्वारा मीडिया के लिए एडवाइजरी जारी की गई। वह अपनी ओर से मतगणना की जानकारी को नहीं दिखाएं। मीडिया हाउस को बोला गया कि केवल चुनाव आयोग के पोर्टल की जानकारी को ही प्रसारित करें। ऊसके कारण आशंका और बवाल देखने को मिलने लगा। कांग्रेस पार्टी अपनी शिकायतों का पुलिंदा लेकर चुनाव आयोग के पास शिकायत करने के लिए पहुंच गई। चुनाव आयोग उनकी शिकायत पर क्या कार्रवाई करेगा। यह सभी को मालूम है। कांग्रेस कितनी भोली है, जो सब कुछ जानते हुए भी चुनाव आयोग के पास अपनी शिकायत दर्ज कराने पहुंच गई। हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर जिस तरह के दावे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ने मतदान होने के पहले ही दावा कर दिया था, इस बार हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तरह सभी को आश्चर्यचकित करेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं अन्य भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने मतदान के बाद और मतगणना के पहले इसी तरह के दावे किए थे। वह दावे अब चुनाव परिणाम में परिवर्तित होते हुए दिख रहे हैं। इस बार हरियाणा के चुनाव परिणाम सबको आश्चर्यचकित करेंगे। यदि यह दावा प्रधानमंत्री ने किया था,तो उसे सच साबित करके भी दिखाया है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। जमीनी हकीकत को लेकर पिछले 15 दिनों में फील्ड पर आम जनता का जो रुझान देखने को मिल रहा था। उसको देखते हुए यह कहां जा रहा था कि यह चुनाव जनता लड़ रही है। हरियाणा की जनता जनता भारतीय जनता पार्टी को इस बार चुनाव हरा रही है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को इसका लाभ मिल रहा है। 50 से लेकर 65 सीटों तक कांग्रेस को मिलने का दावा मतदान के बाद एग्जिट पोल में भी देखने को मिला। मंगलवार को ज़ब मतगणना शुरू हुई। शुरूआती रुझान में एग्जिट पोल सही होते हुए दिखा। जैसे ही ईवीएम मशीन की गिनती शुरू हुई। उसके बाद हर चरण की गिनती के बाद भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में ईवीएम में आंधी की तरह वोट गिरते हुए दिखे। हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार में भाजपा नेताओं को गांव में घुसने नहीं दिया जा रहा था जगह-जगह पर उनका विरोध हो रहा था। लगभग यह माना जा रहा था कि इस बार हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम अप्रत्याशित होंगे। इस बार 18 20 सीटों पर बीजेपी हरियाणा में सिमट कर रह जाएगी। हरियाणा मैं जिस तरह के चुनाव परिणाम देखने को मिल रहे हैं। वह सचमुच सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर हरियाणा में भाजपा की सरकार तीसरी बार बनना तय हो गई है। जम्मू कश्मीर में शायद भाजपा की सरकार नहीं बन पाए। लेकिन जम्मू कश्मीर में सारे अधिकार उपराज्यपाल के पास है। जम्मू कश्मीर में विपक्षी गठबंधन की यदि सरकार बनेगी। तो उसकी स्थिति भी दिल्ली सरकार की तरह ही होगी। वहां पर सरकार नहीं भी बनेगी,तो भी सरकार के सारे अधिकार उप राज्यपाल के पास हैं। कुछ ही महीनो में जम्मू कश्मीर में भाजपा को स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाने मे कोई दिक्कत नहीं होगी। बहरहाल चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह से विपक्षी दलों ने आरोप लगाए थे। चुनाव परिणाम आने के बाद से विपक्षी दलों ने चुप्पी साध रखी थी। उससे इतना तो स्पष्ट है,विपक्षी दलों को चुनाव आयोग के ऊपर विश्वास है। या विपक्षी दलों की हैसियत चुनाव आयोग से लड़ने की नहीं है। जब चिड़िया चुग गई खेत, तब चुनाव आयोग और ईवीएम मशीन पर कोई भी ढीकरा फोड़ने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद एडीआर की जो रिपोर्ट आई थी। उसमें लोकसभा की 79 सीटों में डाले गए मत, गिने गए मत, और बढे मतों के बीच में बहुत बड़ा अंतर एडीआर की रिपोर्ट ने बताया गया था। सोशल मीडिया पर कई दिनों तक इसकी चर्चा होती रही। चुनाव आयोग ने एडीआर की रिपोर्ट पर अभी तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। सभी विपक्षी दलों ने उस समय मौन साध रखा था। हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम ने यह तय कर दिया है। तीसरी बार भी हरियाणा में भाजपा की सरकार बनना तय है। हरियाणा के नाराज पहलवान, किसान, और युवाओं ने तमाम नाराजी के बाद भी भाजपा के पक्ष में मतदान कर भाजपा के प्रति अपना भरोसा जताया है। यह चुनाव परिणाम से स्पष्ट हो गया है। हरियाणा के चुनाव परिणाम का असर महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव परिणाम भी भाजपा के पक्ष में होंगे। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए। विपक्ष हमेशा की तरह विधवा विलाप करता रहेगा। चुनाव आयोग को जीत का सर्टिफिकेट देना है। एक बार सर्टिफिकेट मिल गया, सरकार बन गई। अब सही और गलत का फैसला अगले चुनाव तक भी नहीं होना है। ऐसी स्थिति में जो जीता, जैसे जीता, वही सिकंदर है।

मध्य पूर्व में होता समुद्र-मंथन

पूरा विश्व गोया इस समय बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। सामने से तो यही नज़र आ रहा है कि एक तरफ़ कल तक सोवियत संघ के रूप में साथ रहने वाले दो देश रूस व यूक्रेन युद्धरत हैं तो दूसरी तरफ़ इस्राईल बनाम ईरान-हमास - लेबनान व हूती के बीच युद्ध चल रहा है। परन्तु दरअसल इन दोनों ही ख़ूनी संघर्षों के पीछे उसी अमेरिका की मुख्य भूमिका है जो दुनिया में सबसे अधिक अमन पसंदी, शांति, मानवाधिकार, लोकतंत्र और आतंकवाद को कुचलने जैसी बातें करता है। परन्तु जहाँ अमेरिका को अपने राजनैतिक हित साधने होते हैं वहां उसके यह सभी आदर्श धरे के धरे रह जाते हैं। इस समय अमेरिकी शह और उसी के भरोसे पर जहां यूक्रेन, रूस जैसी महाशक्ति से टकरा कर स्वयं को तबाह कर बैठा है वहीँ इस्राईल भी अमेरिका की ही सरपरस्ती में ख़ूनी खेल खेलने में लगा हुआ है। पश्चिमी देशों की शह पर ही वह इस्राईल जिसने कभी रहम की भीख मांगकर अरब की सरज़मीं पर अपने अस्तित्व को बचाया था। वह इस्राईल जिसे लेकर पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने यह निर्णय दिया है कि फ़िलिस्तीनी क़ब्ज़े वाले क्षेत्रों में इस्राईल की उपस्थिति ''ग़ैर क़ानूनी ''है। जिसके बारे में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने कहा है कि इस्राइल ने पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में क़ब्ज़ा करने, स्थायी नियंत्रण लगाने और बस्तियां बनाने की नीतियों को लागू करके, वहां क़ब्ज़ा करने वाली शक्ति के रूप में अपनी स्थिति का दुरुपयोग किया है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी कहा है कि इस तरह की हरकतें ''क़ब्ज़े वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्र में इस्राईल की मौजूदगी को ग़ैर क़ानूनी '' बनाती हैं। इस क्षेत्र में इस्राईल की निरंतर मौजूदगी ''अवैध'' है और इसे ''जितनी जल्दी हो सके'' समाप्त किया जाना चाहिए। वही अवैध राष्ट्र आज उन्हीं अरब क्षेत्र के लोगों की जान का न केवल दुश्मन बना हुआ है बल्कि अमेरिकी शह और अपनी सैन्य शक्ति के बल पर इसी धरती पर ग्रेटर इस्राईल के गठन का सपना भी संजोये बैठा है।

इन हालात को पैदा करने के लिये अमेरिका ने दशकों से एक बड़ी साज़िश रची है। अमेरिका व इस्राईल ने शिया-सुन्नी विवाद का फ़ायदा उठाकर अरब देशों के सामने ईरान का हौव्वा खड़ा करने का एक सफल चक्रव्यूह रचा। अरब देशों के सामने ईरान को विलेन के रूप में पेश किया और अमेरिकी संरक्षण में उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। इसके बदले में अमेरिका सऊदी अरब सहित मध्य पूर्व के और भी कई तेल उत्पादक देशों से ईरान से सुरक्षा के नाम पर अपनी मर्ज़ी की क़ीमत पर तथा मनचाही मात्रा में तेल दोहन किया करता है। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका के इन पिछलग्गू अरब देशों को अपने अपने देश में लोकतंत्र का गला घोंटने,किसी भी तरह का दमन चक्र चलाने,मानवाधिकारों का हनन करने अपनी बादशाहत चलाने व तानाशाही की भी खुली छूट है। मध्य पूर्व के अनेक देश ऐसे भी हैं जिनकी पूरी अर्थव्यवस्था अमेरिका के हाथों गोया गिरवी रखी हुई।

अब इस क्षेत्र में कोई बड़ी ताक़त सर न उठा सके अपने इसी षडयंत्र के तहत अमेरिका ने पहले तो इराक़ को तबाह किया फिर ईरान को आतंकी देश और शैतान की धुरी तथा इसे समूचे अरब जगत के लिये ख़तरा बताना शुरू कर दिया। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों में आतंक की इबारत लिखने व करोड़ों बेगुनाहों की मौत का ज़िम्मेदार अमेरिका ही अब ख़ुद यह तय करता है कि कौन सा देश आतंकी है, कहाँ की सेना आतंकी है, और कहाँ का शासक आतंकवाद का संरक्षक है। तेल ख़रीदने, हथियार बेचने और वर्चस्व के इसी घिनौने खेल में इस समय इस्राईल, अमेरिका का मोहरा बनकर ग़ाज़ा से लेकर लेबनान तक क़हर बरसा रहा है। क्या अस्पताल क्या स्कूल क्या रिहायशी इलाक़े तो क्या शरणार्थी कैम्प, बाज़ार, बच्चे, बूढ़े महिलायें कोई भी कहीं भी अमेरिकी शह पर होने वाली इस्राईली सैन्य कार्रवाई ख़ासकर हवाई बमबारी से सुरक्षित नहीं है।

इसके बावजूद ईरान ने अपने जनरल क़ासिम सुलेमानी हमास प्रमुख इस्माईल हनिया व हिज़्बुल्ला सुप्रीमो हसन नसरुल्लाह की हत्या के बाद पिछले दिनों इस्राईल पर रॉकेट की बौछार कर यह जता दिया कि ईरान की पृष्ठभूमि व इनकी नस्ल वह नहीं जो सांसारिक शक्तियों के आगे घुटने झुका दे। हज़रत मुहम्मद,व उनके घराने के हज़रत अली व हुसैन को मानने वाली ईरानी नस्ल का रिश्ता उस हुसैन के घराने से है जिसने 1450 वर्ष पूर्व अपने समय की महाशक्ति सीरयाई यज़ीदी सेना के आगे अपना सिर नहीं झुकाया था। जबकि निश्चित रूप से अमेरिका व इस्राईल की गोदी में खेलने वाले वही अरब शासक हैं जिनके पूर्वज जैसे आज अमेरिका की ग़ुलामी में लगे हैं उसी तरह 1450 वर्ष पूर्व भी यही लोग यज़ीदी सेना के हिमायती थे और हुसैन के क़त्ल व करबला की घटना के ज़िम्मेदार थे। यही ईरान उस समय तक अमेरिका की आँखों का तारा था जब तक यहाँ का शाह पहलवी अमेरिका की गोद में बैठा रहता था परन्तु इस्लामी क्रांति के बाद जब से ईरान ने अमेरिका नहीं बल्कि ईश्वर महान है की नीति पर चलना शुरू किया तब से ईरान, अमेरिका को शैतान व आतंकी नज़र आने लगा ?

अलक़ायदा हो या आई एस आई एस,पूरी दुनिया जानती है कि आतंक के पर्याय समझे जाने वाले यह दोनों ही आतंकी संगठन अमेरिका की ही सरपरस्ती में खड़े किये गए। ओसामा बिन लाडेन व तालिबानी प्रमुख मुल्ला उम्र को तो सऊदी अरब का भी संरक्षण हासिल था। याद कीजिये इन आतंकी संगठनों की कैसे कैसी दिल दहलाने वाली विडिओ बाक़ायदा एक बड़ी साज़िश के तहत टी वे पर दिखाई जाती थी जिसमें यह दुर्दांत आतंकी लोगों को लाइन में खड़ाकर कभी गोली मारते तो कभी सर क़लम करते तो कभी ज़िंदा दफ़्न करते दिखाई देते थे। आतंकियों को यह छूट इसीलिये मिली थी ताकि उनकी इन वहशियाना हरकतों के चलते इस्लाम को बदनाम किया जा सके व इसे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले धर्म के रूप में प्रचारित किया जा सके। काफ़ी हद तक अपने इस मिशन में अमेरिका व इस्राईल को सफलता भी मिली। दूसरी तरफ़ जनरल क़ासिम सुलेमानी व हिज़्बुल्लाह सुप्रीमो हसन नसरुल्लाह जैसे निडर रहबर ही थे जिन्होंने अमेरिका व इस्राईल द्वारा पोषित आई एस आई एस की कमर तोड़ कर रख दी। इनके विरुद्ध जिहाद बोलकर सीरिया,इराक़ व आसपास के क्षेत्रों से इन्हें खदेड़ कर इनका वजूद ही समाप्त कर दिया।

इन परिस्थितियों में अरब जगत इस समय एक बड़े समुद्र मंथन के दौर गुज़र रहा है। अरब के चाटुकार शासक भले ही अवैध राष्ट्र इज़राईल व अमेरिका की गोद में बैठकर अपनी बुज़दिली का सुबूत क्यों न दे रहे हों परन्तु अरब की अवाम ईरान द्वारा फिलिस्तीनियों के हक़ में इस्राईल पर किये गये मिसाईल हमलों को बड़ी ही उम्मीद व हसरत भरी नज़रों से देख रही है। इस समुद्र मंथन के परिणाम स्वरूप अरब जगत में आने वाले दिनों में कोई बड़ी उथल पुथल भी दिखाई दे सकती है। (लेखक- तनवीर जाफ़री/ ईएमएस)

दुनिया में टूट-फूट का नया दौर

आईना टूटे या दिल ,पहाड़ टूटे या पेड़ सब अशुभ ही माना जाता है। इसीलिए एक हफ्ते से लगातार टूट रहे शेयर बाजार को भी हम अशुभ ही मानकर चल रहे है । शेयर बाजार का टूटना निवेशकों के लिए शुभ है और न कारोबारियों के लिए। सरकार के लिए तो टूटना बिलकुल शुभ नहीं है। शेयर बाजार के टूटने का सीधा-सीधा मतलब निकाला जाता है की कहीं न कहीं हमारी सरकार टूट रही है। शेयर बाजार के टूटने से 3

दिन में ही 22 लाख करोड़ का चूना लग गया निवेशकों को।

हिंदुस्तान हो या पकिस्तान । दुनिया का कोई भी हिस्सा हो इस टूटन से अछूता नहीं है । बीमारी से आम आदमी का जिस्म टूटता। नेताओं की वादा-खिलाफी से मतदाता का दिल टूटता है । दिल नेता ही नहीं ,प्रेमी-प्रेमिका भी एक-दूसरे का गाहे-बगाहे तोड़ते ही रहते हैं। वर्षा ऋतु में पहाड़ टूटते है। नदियों के तटबंध टूटते हैं। इसे कहर टूटना कहा जाता है। घर में किसी तस्वीर का फ्रेम हो,या कप-बसी टूटती है तो माँ इसे अशुभ मानती थी। मै तो उन लोगों में से हूँ जो टूट-फुट को शुभ या अशुभ नहीं बल्कि एक नैसर्गिक क्रिया मानते हैं।

आपको याद है की 1947 में जब भारत टूटा था और पाकिस्तान बना था ,तब असंख्य लोगों के दिल टूट गए थे । इस टूटन को हमारी सरकार और देश की ही नहीं दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी आज भी महसूस करती रहती है। इस टूटन के लिए महात्मा गाँधी को कोसने वालों की कमी नहीं है। आखिर टूटने का दोष किसी पर तो मढ़ा जाना है। इसके लिए महात्मा गाँधी से अच्छा कोई दूसरा नाम हो ही नहीं सकता। 1971 में पाकिस्तान को भी टूटना पड़ा, इसके लिए महात्मा गाँधी नहीं बल्कि श्रीमती इंदिरा गाँधी को जिम्मेदार ठहराया गया।भारत ही नहीं दुनिया में तमाम देश टूटे हैं। कोरिया टूटा,जर्मनी टूटा रूस टूटा, चीन टूटा। टूटने वालों की एक लम्बी फेहरिस्त है। भारत में अतीत में हुई टूट-फूट से नाखुश लोगों ने अयोध्या में एक निर्जीव मकबरे को तोड़कर ही अपना गुस्सा ही नहीं निकाला बल्कि शहीदों में अपना नाम लिखवा लिया। इस इमारत के टूटने से भी करोड़ों के दिल टूटे थे लेकिन किसी ने इस टूटन की आवाज को सुना नहीं।

पिछले दस साल में देश में जितने राजनीतिक दल और गठबंधन टूटे उतने पहले कभी नहीं टूटे । राजनीतिक दलों में कांग्रेस न जाने कितनी बार टूटी । समाजवादी दल तो टूटने के लिए ही बना है। सत्तारूढ़ भाजपा भी बीच-बीच में टूटी रहती है लेकिन जल्द ही सम्हल भी जाती है । भाजपा ने तो जिस क्षेत्रीय दल को अपना बगलगीर बनाया उसे किसी न किसी मोड़पर टूटना ही पडा । हाल ही में एनसीपी और शिवसेना टूट कर दो खंड हो चुकी है। गठबंधन तो टूटने के लिए ही बनते है। जैसे भांवर पड़ने के बाद मौर को नदी में विसर्जित कर दिया जाता है उसी तरह गठबंधनों को सरकार बनने के बाद तोड़ दिया जाता है।

सिनेमा वाले तो न जाने कितनों का दिल तोड़ते रहते है। सिनेमा में हीरो-हीरोइनें आपस में ही अपने दिलों की तोड़फोड़ नहीं करते बल्कि अपने चाहने वालों का दिल भी तोड़ देते हैं। दिल तोड़ने की पुरानी परिपाटी है । आप इसे सनातन भी कह सकते हैं। हमारे यहां त्रेता में राम ने परशुराम को प्रिय शिव का धनुष तोड़ दिया था । उन्हें इसके पुरस्कार में सीता मिल गयीं थीं ,किन्तु सबके भाग्य में तोड़-फोड़ करने पर इनाम -इकराम नहीं होता। दिलीप कुमार का दिल मधुबाला ने तोड़ा था तो अमिताभ बच्चन का दिल रेखा ने तोड़ दिया था। दिल तोड़ना हमारी फ़िल्मी दुनिया का एक रोग है। इसका दुनिया में कहीं ,कोई इलाज है नहीं।

देश -दुनिया में जब भी चुनाव होते हैं और उनके नतीजे आते हैं तो न जाने कितने दिलों को तोड़ देते है। किसी का सपना टूटता है ,तो किसी का अपना टूट जाता है। टूटने के बाद जोड़ना आसान नहीं है । जुड़ भी जाये तो टूटन के निशान हमेशा टूटने की याद दिलाते रहते हैं। इसलिए कोशिश की जाना चाहिए की कहीं,कोई टूट-फुट हो ही नहीं। बच्चों का दिल उनके खिलौनों में बसता है । कोई खिलौना टूटता है तो बच्चों का नाजुक दिल टूट जाता है।हमारे यहां तो गया जाता है -दिल का खिलौना है टूटगया, कोई लुटेरा आ के लूट गयाया - खिलौना जानकर तुम तो मेरा दिल तोड़ जाते हों टूटते तो रिश्त भी हैं ,भले ही वे खून के रिश्ते क्यों न हों ? आप टूटने से किसी भी चीज को बचा सकते हैं ,लेकिन इसका एकमात्र उपाय है सावधानी। सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

टूटना इत्तफाक भी है और साजिश भी । मिसाल के तौर पर इस बार मुल्क में एक के बाद एक दर्जनों पुल टूट गये । ये पुल भ्रष्टाचार ने तोड़े। महंगाई बढ़ती है तो आम आदमी की कमर टूटी है लेकिन महंगाई बढ़ाने के लिए जिम्मेदार सरकार टूटी कमर पर अच्छे दिनों कीमराहम लगा देती है। आम आदमी कुछ देर के लिए कमर टूटने का दर्द भूल जाता है लेकिन जैसे ही दोबारा कसक होती है आम आदमी कमर तोड़ने वालों की कमर तोड़ देती है ,अपने वोट से। हमारा जिस्म तो टूटने के लिए ही बना है । बुखार से पूरा जिस्म टूटता है । लेकिन पुलिस आपकी पसलियां भी तोड़ सकती है और दांत भी। टूटने का कोई मुआवजा नहीं मिलता। ज्यादा से ज्यादा आप गाना गा सकते हैं - दिल का खिलौना है टूट गया ।

दरअसल टूटना या तोड़ना एक ललित कला है। सबको नहीं आती और जिसे आती है वो किसी को सिखाता नहीं है । लोग अपने आप ही सब कुछ सीखते है। टूटने वाली चीजों की फेहरिश्त बहुत लम्बी हो सकती है। आप इसे अपनी मर्जी से घटा -बढ़ा सकते हैं। अब जैसे मैंने टूटने वाली फेहरिश्त में करार को शामिल नहीं किया था । करार होते ही टूटने के लिए है। करार दो व्यक्तियों के बीच हो सकते हैं ,दो दलों के बीच हो सकते हैं, दो या दो से ज्यादा मुल्कों के बीच हो सकते हैं,बल्कि होते आये हैं और टूटते भी आये हैं।कीर्तिमान भी टूटते हैं और आदमी का घमंड भी।शादियां भी टूटीं हैं और जीवन की डोर भी यानि जोड़तोड़ का ये सिलसिला अनंत है। इसके ऊपर कोई पूर्ण विराम नहीं लगाया जा सकता। लगाया भी नहीं जाना चाहिये । आज आप जब ये टूट-फुट गाथा पढ़ रहे होंगे तब हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की जनता न जाने कितने नेताओं का दिल तोड़ चुकी होगी। बाहर हाल - शीशा हो या दिल हो ,टूट जाता है इसलिए जितना मुमिकन है टूटने वाली चीजों को सम्हालकर रखिये । (लेखक -राकेश अचल /ईएमएस)

वनवासी क्षेत्रों मे नवरात्रि

हिन्दू धर्म से वनवासी समाज को अलग परिभाषित करने के सभी विभाजनकारी षडयंत्र तब धवस्त हो जाते हैं, जब इनकी मान्यताएँ, पर्व, रहन-शैली, विचार मेल खाते हैं। कुल देवी, बाघ देवी, ज्वाला देवी, गांव देवी और वन देवी की पूजा-अर्चना तथा गांवों, अंचलों में मंदिर, पट, मढिया इसके ज्वलंत उदाहरण है। शारदीय नवरात्रि ऐसा पर्व है, जो वनवासी क्षेत्रों में भी धूमधाम से मनाया जाता है, यह सिद्ध करता है कि हम हिन्दू हैं, भले ही हमारे निवास स्थान, रहन-सहन अलग-अलग हैं। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। नौ दिनों तक मनाई जाने वाली इस पूजा में माँ दुर्गा के सभी नौ रूपों की पूजा होती है। वनवासी क्षेत्रों की नवरात्रि पूजा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से तनिक भिन्न है। इनके नामों व पूजा पद्धति में विविधता है। वनवासी देवी माँ से अच्छी फसल, वर्षा व प्रकृति संरक्षण की याचना करते हैं। भील समाज में नवणी पूजा, गोंड समाज में खेरो माता, देवी माई की पूजा, कोरकू समाज में देव-दशहरा के रुप में देवी माँ की पूजा होती है। भील समाज में नवणी पर्व नवणी में भील अपनी कुलदेवी व दुर्गा-भवानी का पूजन करते हैं। यह त्यौहार अश्विन (कुआर) माह में शुक्ल पक्ष की पड़वा से प्रारम्भ होता है। पूरे वर्षभर में हुई गलतियों के लिये सभी देवी-देवताओं से क्षमा याचना करते हैं।

नवणी से पहले स्वच्छता की दृष्टि से घरों की गोबर व मिट्टी से लिपाई होती है। व्रती सागौन की पाटली (पटिया) सुतवार (बढ़ई) से बनवाकर उस पर चाँद व सूर्य उकेरवाता है। घर या आंगन में चौका पुराया जाता है। पाटली में शुद्ध धागा नौ बार लपेटा जाता है, उसी चौके पर पाटली की स्थापना कर पूजा की जाती है। जिस सागौन से पाटली काटी गयी होती है, उसे भी कच्चा सूत व नारियल भेंट किया जाता है। बाँस की छोटी-छोटी पाँच या सात टोकरियों में मिट्टी डालकर गेहूँ बोया जाता है, इसे बाड़ी, जवारा या माता कहते हैं। यह जवारा नवमी तिथि को संध्या की बेला में नदी में विसर्जित होता है। श्रद्धालु खप्पर, गीत गाते नदी तट पर जवारा लेकर जाते हैं। जिसे श्रद्धा स्वरूप एक दूसरे को देते हैं।

गोंड ही नहीं, कोरकू जनजाति में भी कई दशहरे मनाये जाते हैं, जिसमें से एक दशहरा कुंआर की नवरात्रि है। गोंड समाज के लोग गाड़वा के सामने ककड़ी को बकरे का प्रतीक मानकर काटते हैं। अपने ईष्ट से याचना करते हैं कि वर्षभर हमें कुल्हाड़ी, हंसिया चलाना पड़ता है, उसमें कोई हानि न हो। गोंड समाज में खेरो माता की पूजा होती है। गोंड समाज में खेरो माता को गाँव की मुख्य देवी का दर्जा प्राप्त है। कोरकू समाज में कुंआर माह में देव-दशहरा मनाया जाता है। इस पूरे पर्व में मुठवा देव, हनुमान, पनघट देव, बाघ देव, नागदेव, खेड़ा देव आदि की पूजा होती है। कोरकू लोग अपने देवी-देवताओं के चबूतरे पर गाते-बजाते हैं, जिसे धाम कहते हैं। कोरकू समाज में भी इस पर्व पर बलि देने की मान्यता है। इस पर्व से संबंधित कुछ निषेध भी हैं - दशहरे के पहले खलिहान नहीं लीपा जा सकता, अशुभ माना जाता है। दशहरा पर अस्त्र-शस्त्र पूजन के साथ प्रकृति के वाहक इस समुदाय में नीलकंठ दर्शन और सोने अर्थात शमी के पत्ते का अर्पण शुभकारी है।

त्यौहार सम्पन्न होने तक सागौन के पत्तों की पोटिया भी नहीं बनाए जा सकते बाँस काटना भी वर्जित है। सागौन के पत्तों की तह करके बंडल बनाने को पोटिया कहते हैं, ये पोटिया घर की छपरी आदि बनाने के लिए वाटर प्रूफ का काम करते हैं। मुठवा देव की पूजा से पहले हनुमान की पूजा करते हैं। हनुमान को लंगोट और नारियल चढ़ाया जाता है। हनुमान की पूजा सबसे पहले करने की मान्यता के पीछे इनका तर्क है कि हनुमान रगटवा सामान अर्थात खून आदि स्वीकार नहीं करते। जबकि मुठवा देव को शराब व चूजा भेंट किया जाता है। मुठवा देव की पूजा के बाद पनघट देव, बाघ देव, नागदेव, खेड़ा देव की पूजा होती है। पूजा के बाद सागौन या खाखरा के पत्तों में भोजन कराया जाता है। भोजन से निवृत्त होने के बाद सभी सागौन के छह-छह पत्ते तोड़ते हैं। इन छह पत्तों से पोटिया बनाते हैं। इस नियम को पूरा करने के बाद लोग सागौन के पत्ते तोड़ सकते हैं। ये परम्पाराएं आज भी पुरातन भाव से चलायमान है।

सनातन-हिन्दू धर्म का जनजातीय समाज एक अभिन्न अंग अपने विकासकाल से ही रहा है, यह अलग बात है कि सभ्यताओं के विकास एवं लगातार आक्रमणों के कारण जनजातीय समाज के स्थान परिवर्तन एवं परम्पराओं, संस्कृति, विवाह, रीतिरिवाज, पूजा पध्दति, बोली एवं कार्यशैली में भले ही आंशिक अन्तर दिखता हो। किन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष में सनातन हिन्दू समाज की जनजातीय एवं गैर जनजातीय इकाइयों का मूल तत्व एवं केन्द्र हिन्दुत्व की धुरी ही है।(लेखक- हेमेन्द्र क्षीरसागर/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8153

बाएँ से दाएँ

1.अभिप्राय,अभिव्यक्ति-3
3.सादापन,भोलापन-4
6.अवश्य-3
7.कांच का मर्तबान-2
8.पानी से सराबोर-2
10.करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12.उद्धार,उत्कृष्ट-3
15.माला का मोती-3
17.सेवक,रोगी की देखभाल करने वाला-5
20.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22.चलने का ढ़ंग-2
23.गर्भ-3
24.निम्न,निकृष्ट-4
25.कथा,गाथा-3

ऊपर से नीचे

2.कमरे में बंद करना-5
3.ईमान,नियत-3
4.क्षारीय-4
5.दीदार-3
7.आशिक,यार-2
9.एक विदेशी मदिरा-2
11.लीन,व्यस्त,मशगूल-3
13.उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15.मतवाला,उन्मादी-4
16.चाचा,अंकल-2
18.पैंतरा,वेग-2
19.काफी,कोको -3
21.गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8152 का हल

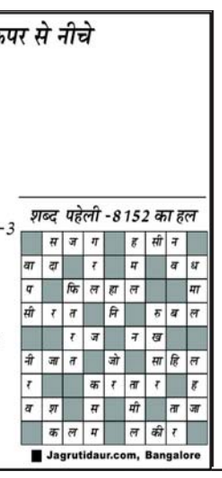

Jagrutidaur.com, Bangalore

भगवान के नाम पर 23 रुपये किलो की लागत का देशी घी!

मंदिर में दीया जलाना हो,घर मे पूजा के लिए इस्तेमाल करना हो,हवन करना हो या फिर किसी की मृत्यु हो जाने पर उसका अंतिम संस्कार करना हो तो हम बाजार जाकर पूजा वाला देशी घीखरीदते है।बाजार में खाने वाला देशी घी कम से कम 800 रुपये प्रति किग्रा मिलता है ,जबकि पूजा का घी मात्र डेढ़ सौ रुपये से साढ़े चार सौ रुपये तक की कीमत में उपलब्ध है,हालांकि इस घी को बनाने की लागत मात्र 23 रुपये प्रति किग्रा आती है। मिलावटखोर तो आस्था के नाम पर ही चोट कर ही रहे हैं,हम स्वयं भी सस्ते के चक्कर मे भगवान को चूना लगा रहे है। बाजार और मंदिरों के आसपास दुकानों पर यह नकली देशी घी खुले आम बिक रहा है। जिसे लोग भगवान के भोग व दीया-बाती और खान-पान तक में इस्तेमाल कर रहे हैं। खुलेआम बिक रहे ऐसे देशी घी के खिलाफ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग या फिर खाद्य विभाग की टीम ने आज तक कोई कार्रवाई नही की है।

यही घी मंदिरों में चढ़ाया जा रहा है, वहीं घरों में पूजा के लिए भी यही नकली घी बिक भी रहा है।

विवाह, कुआं पूजन ,नामकरण या फिर गृह प्रवेश हो। इन मांगलिक कार्यों में ये देशी घी खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। पंडित की ओर लिखी जाने वाली पूजन सामग्री के पर्चे को लेकर लोग दुकानदार के पास पहुंचते हैं और पूजन सामग्री को बिना जांचे-परखे पैकिंग करा ले आते हैं। कानपुर में जाजमऊ से गंगा के किनारे 10 -12 किलोमीटर के दायरे में सैंकड़ों चमड़े व चर्बी की भट्टियां धधक रही हैं।

इस चर्बी से एनामिल पेंट , ग्लू फेविकोल आदि जिन्हें हम कागज, लकड़ी जोड़ने के काम में लाते है व तथाकथित पूजा वाला घी बनाया जाता है। इसका सबसे ज़्यादा प्रयोग भंडारे जैसे आयोजनों के लिए भी होता हैं। लोग 15 किलो वाला नकली घी का टीन खरीद कर मंदिरों में दान करके पूण्य कमा रहे हैं। यह

बढ़िया रवे दार दिखने वाला नकली देशी घी सुगंध में भी एसेंस की मदद से बेजोड़ होता है। जो लोग अनजाने खुद को शाकाहारी समझते हैं। जीवन भर मांस अंडा तक नही छूते । वे पूजा के नाम पर इसका उपयोग कर रहे है। यदि घी का रंग चटक लाल हो जाये, तो घी में डालडा मिलाया गया है.

एक चम्मच घी में चार से पांच बूंद आयोडीन मिलाएं, घी का रंग नीला पड़े, तो उबला हुआ आलू मिलाया गया गया है।

एक चम्मच घी में दो एमएल हाइड्रो क्लोरिक एसिड डालने पर घी लाल हो जाये, तो कोलतार डाई का इस्तेमाल किया गया है।

थोड़ा सा घी लेकर हथेली के पीछे भाग में रगड़ें. यदि 25 मिनट में ही घी का सुगंध चला जाये, तो मिलावटी घी होगा। (लेखक उत्तराखंड उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता व उपभोक्ता आंदोलन के प्रणेता है) (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

खेल - समाचार

टी20 महिला विश्वकप : श्रीलंका के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करने उतरेगी भारतीय टीम

दुबई (ईएमएस)। पाकिस्तान के खिलाफ जीत से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप के ग्रुप ए के अपने तीसरे मैच को बड़े अंतर से जीतना चाहेगी। भारतीय टीम का रन रेट अब तक अन्य टीमों से कम है जिससे वह इसे बढ़ाने पूरी ताकत लगा देगी।

भारतीय टीम बल्लेबाजों के कमजोर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैच में उम्मीद के अनुसार सफल नहीं रही। उसे अपने पहले मैच में न्यूजीलै

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी देखी गयी। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। वहीं पिछले छह दिनों से बाजार में गिरावट थी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी पार्टी भाजपा को मिली जीत से भी बाजार में उत्साह आया। वहीं आज निवेशकों ने शेयरों की जबरदस्त खरीदारी की। जिसका असर बाजार पर दिखा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 0.72 फीसदी या 584.81 अंक बढ़कर 81,634.81 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 50 217.40 अंक या 0.88 फीसदी बढ़कर 25,013.15 के लेवल पर बंद हुआ। बीएसई में आज कुल मिलाकर 4045 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। जिसमें से 3,021 शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी। जबकि 923 शेयरों ने गिरावट रही। इसी प्रकार एनएसई पर भी 2,880 शेयरों में कारोबार हुआ और इसमें से 2,234 शेयर ऊपर आये जबकि, 568 शेयर नीचे आये। पिछले कई दिनों से एफपीआई चीन के शेयरों में निवेश को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। चीन में सरकारी प्रोत्साहन से विदेशी निवेशकों का रुख उसकी ओर बढ़ा है। पिछले 6 कारोबारी दिनों के दौरान एफआईआईएस ने करीब 6 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की है।

सेक्टोरल इंडेक्स के क्या हाल

आज 13 प्रमुख सेक्टरों में से 12 में तेजी रही। हाई वेटेज वाले निफ्टी वित्तीय सेवाओं के शेयर 1 फीसदी तक बढ़ गए। शेयर बाजार की सबसे बड़ी तेजी निफ्टी मीडिया शेयरों में देखने को मिली। निफ्टी मीडिया सेक्टर ने आज 3.11 फीसदी की उछाल दर्ज की। इसके अलावा, निफ्टी बैंक 1.07 फीसदी , निफ्टी ऑटो 1.66 फीसदी , निफ्टी फार्मा 1.44 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक 1.35 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस सेक्टर में 1.27फीसदी का उछाल आया। निफ्टी मेटल में आज 0.93 फीसदी की गिरावट देखी गई।

निफ्टी में आज सिर्फ 14 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। आज का टॉप गेनर स्टॉक टाटा ग्रुप का ट्रेंट रहा। ट्रेंट के शेयर आज 7.95 फीसदी की बढ़त के साथ लगातार दूसरे दिन शीर्ष पर रहे। इसके अलावा, बीईएल, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, कोल इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल्स, रिलायंस, एचडीएफसी बैंक के शेयर 2 फीसदी से ज्यादा बढ़त बनाकर बंद हुए।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

- सोना 75,900 रुपए प्र?ति दस ग्राम, चांदी लगभग 91,550 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 75,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,550 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 194 रुपये की गिरावट के साथ 75,851 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 156 रुपये की गिरावट के साथ 75,889 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 134 रुपये की गिरावट के साथ 92,223 रुपये पर खुला। इस समय यह 827 रुपये की गिरावट के साथ 91,530 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,662.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,666 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,661.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.94 डॉलर था। इस समय यह 0.35 डॉलर की गिरावट के साथ 31.65 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजारों में गिरावट से मस्क, अडाणी व अंबानी को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली ,(ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी रही, जिससे वैश्विक अमीरों की संपत्तियों पर भी असर डाला है। अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट से दुनिया के 20 में से 16 प्रमुख अरबपतियों की नेटवर्थ में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा नुकसान टेस्ला के मालिक एलन मस्क को हुआ है, जिनकी संपत्ति में 6.61 अरब डॉलर की गिरावट आई। वहीं, ऐमजॉन के संस्थापक जेफ बेजोस ने 5.12 अरब डॉलर गंवाए और भारत के उद्योगपति गौतम अडानी की संपत्ति में 3.26 अरब डॉलर की गिरावट आई। एशिया के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी को 1.16 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी की कुल संपत्ति 96.2 अरब डॉलर है, जिससे वह दुनिया के अमीरों की सूची में 18वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी संपत्ति 11.9 अरब डॉलर बढ़ी थी। मुकेश अंबानी इस सूची में 14वें नबर पर हैं और उनकी संपत्ति इस साल 104 अरब डॉलर है। एलन मस्क 256 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे अमीर इंसान बने हुए हैं, जबकि मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस और बर्नार्ड अरनॉल्ट अन्य शीर्ष स्थानों पर हैं। भारत के शेयर बाजार में सोमवार को सेंसेक्स 638 अंक गिर गया था, जिससे निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

एसबीआई ने क्रेडिट कार्ड के नियमों में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने क्रेडिट कार्ड के नियमों में कुछ बदलाव किए गए हैं। नए नियम अगले महीने 1 नवंबर से लागू होंगे। बैंक ने क्रेडिट कार्ड से यूटिलिटी बिल के पेमेंट करने पर 1 फीसदी अ?ति?रिक्त शुल्क लगाने का फैसला किया है। इससे पहले भी कई बैंक और कार्ड कंपनियां एक तय लिमिट के बाद यूटिलिटी बिल पेमेंट पर 1 फीसदी शुल्क लेना शुरू कर चुके हैं। एसबीआई के क्रेडिट कार्ड के जरिए एक स्टेटमेंट साइकिल में 50 हजार रुपये से ज्यादा के यूटिलिटी बिल पेमेंट पर 1 फीसदी अ?तिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। हालांकि, 50 हजार रुपये के नीचे यूटिलिटी बिल पेमेंट पर कोई अ?तिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। एसबीआई ने शौर्य/डिफेंस क्रेडिट कार्ड को छोड़कर सभी अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड के फाइनेंस चार्ज में भी बदलाव किया है। अब एसबीआई के अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड पर 3.75 फीसदी ?वित्तीय शुल्क लगेगा। यह नियम भी 1 नवंबर से लागू होंगे। गौरतलब है ?कि अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड वैसे क्रेडिट कार्ड होते हैं जिसके लिए कोई सिक्योरिटी डिपॉजिट या कॉलेटरल नहीं देना होता है जबकि सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड वैसे क्रेडिट कार्ड होते हैं जो फिक्स्ड डिपॉजिट के बदले दिए जाते हैं।

चाय निर्यात सालाना आधार पर 23.79 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता (ईएमएस)। देश का चाय निर्यात इस साल जनवरी से जुलाई के बीच सालाना आधार पर 23.79 प्रतिशत बढ़कर 14.45 करोड़ किलोग्राम हुआ। चाय बोर्ड के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2023 की सामाना अवधि में निर्यात 11.67 करोड़ किलोग्राम रहा था। हालांकि, निर्यात से प्राप्ति 2024 के पहले सात महीनों में सालाना आधार पर 264.96 रुपए प्रति किलोग्राम से घटकर 256.37 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। इस बीच, चाय बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने चाय उद्योग के विकास और संवर्धन के लिए 664.09 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है।

पाकिस्तान की शेयर बाजार हुआ गुलजार, भारत को पीछे छोड़ बनाया रिकॉर्ड

-भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट के बाद आज मार्केट में थोड़ा सुधार

नई दिल्ली ,(ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले कई दिनों से गिरावट नजर आ रही है तो वहीं चीन की तरह अब पाकिस्तान का शेयर बाजार रॉकेट बन गया है उसके शेयर में उछाल आया जो एक रिकॉर्ड बन गया है। पिछले कुछ दिनों से यह इतनी तेजी से बढ़े है कि निवेशकों की बल्ले-बल्ले हो गई। यही नहीं इसने भारतीय शेयर बाजार को भी पछाड़ दिया है।

भारतीय सेंसेक्स मंगलवार को 81200 के करीब था तो वहीं पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज (पीएसएक्स) का बेंचमार्क केएसई100 85 हजार के आंकड़े को पार कर गया। यह पहली बार है जब केएसई100 ने 85 हजार का आंकड़ा पार किया है। हालांकि सेंसेक्स भी 85 हजार का आंकड़ा पार कर चुका है लेकिन पिछले कुछ दिनों से आई गिरावट के कारण यह फिसलकर 82 हजार से नीचे चला गया। भारतीय शेयर बाजार में 27 सितंबर से लगातार गिरावट देखी जा रही है। हालांकि मंगलवार को इसमें कुछ सुधार हुआ है। मार्केट खुलने के शुरुआती एक घंटे में सेंसेक्स में 150 अंकों से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। हालांकि इसमें उतार-चढ़ाव जारी था।

सोमवार को पाकिस्तानी शेयर बाजार के बेंचमार्क केएसई100 में 1378 अंकों की बढ़त हुई, जो 1.65 फीसदी थी। इस बढ़त के साथ यह 84910 पर बंद हुआ था। मंगलवार को जब पाकिस्तान का शेयर बाजार खुला तो इसने फिर से बढ़त बना ली और यह 85 हजार का आंकड़ा पार कर गया। यह पहली बार है जब केएसई100 ने 85 हजार का आंकड़ा पार किया है। पाकिस्तान के शेयर बाजार की वैल्यू 11 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए है। भारतीय मुद्रा में यह वैल्यू करीब 3.33 लाख करोड़ रुपए है। विदेशी निवेशक भी पाकिस्तान की शेयर मार्केट में रुचि ले रहे हैं। विदेशी निवेशकों ने पाकिस्तान के शेयर बाजार में 2.82 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। इससे शेयर मार्केट का मार्केट कैप 198 अरब पाकिस्तानी रुपए बढ़ गया है।

कई सेक्टर जैसे ऑइल, गैस, बैंकिंग, सीमेंट आदि में बूम आया है जिसकी वजह से पाकिस्तानी शेयर बाजार में उछाल आया। पाकिस्तान की मुद्रास्फीति में कमी आई है। वहीं पाकिस्तान सरकार ने बेहर आर्थिक नीतियों के लिए भी कुछ योजनाएं बनाई हैं। यील्ड में गिरावट से भी निवेशकों का रुख हाई रिटर्न के लिए शेयर मार्केट की तरफ बढ़ा है। हालांकि चीनी प्रोत्साहन पैकेज और मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण निवेशकों ने भारतीय मार्केट से पैसा निकालकर चीनी मार्केट में लगा दिया है। इसके कारण भारतीय मार्केट में गिरावट आई है।

भारत-यूएई निवेश समझौते में बदलाव, विवाद निपटान समयसीमा घटी: पीयूष गोयल

- विवाद निपटान की समयसीमा 5 वर्षों से घटाकर 3 वर्ष की गई है, जो बीआईटी की शर्तों के अनुरूप नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हाल में हुए एक समझौते में बड़ा बदलाव किया है। ?जिसके मुता?बिक विवाद निपटान की समयसीमा 5 वर्षों से घटाकर 3 वर्ष कर दी गई है, जो आदर्श द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) की शर्तों के अनुरूप नहीं है। अगर इस अवधि के दौरान भारत का न्याय तंत्र दो देशों के बीच निवेश समझौते पर विवाद नहीं सुलझा पाया तो विदेशी निवेशक अंतरराष्ट्रीय पंचाट में अपील कर सकते हैं। भारत ने यूएई के साथ 13 फरवरी को अबू धाबी में एक निवेश समझौता किया था मगर यह 31 अगस्त से प्रभावी हो पाया। दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद निवेश समझौता पिछले महीने खत्म हो गया था। भारत ने यूएई के साथ समझौते में शेयर एवं बॉन्ड को सुरक्षित निवेश के तौर पर रखा है। आदर्श द्विपक्षीय निवेश संधि में केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को ही सुरक्षा मिली है और शेयर एवं बॉन्ड जैसे पोर्टफोलियो निवेश शामिल नहीं किए गए हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और स्पष्ट एवं स्थिर कर प्रणाली शुरू हो पाएगी। उन्होंने कहा कि अगर निवेशकों को लगेगा कि उन्हें न्याय नहीं मिला है तो इस समझौते के तहत वे अंतरराष्ट्रीय पंचाट में भी अपील कर सकते हैं। गोयल ने निवेश पर भारत-यूएई उच्च-स्तरीय संयुक्त कार्य बल की 12वीं बैठक के बाद मी?डिया से कहा ?कि विभिन्न मसलों पर चर्चा हुई। कुछ भारतीय कंपनियों को लगता है कि यूएई के साथ कुछ समस्या हैं और यूएई की कंपनियों को भी कभी-कभी ऐसा लगता है। बीआईटी के जरिये दोनों पक्ष इन समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। गोयल के साथ यूएई के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भी बैठक की अध्यक्षता की थी। किंतु विशेषज्ञों को लगता है कि समयसीमा पांच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष करने से देश के भीतर ही विवाद निपटाने की भारत की क्षमता कमजोर हो सकती है और बार-बार अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की जरूरत पड़ेगी। दिल्ली की संस्था जीटीआरआई के अनुसार बीआईटी के जरिये यूएई से निवेश तो आएगा मगर इससे भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता बढ़ने यानी मामला विदेशी अदालतों में जाने का जोखिम भी बढ़ जाएगा। उसने कहा कि अब दूसरे देश भी इसी शर्त पर भारत के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौते करना चाहेंगे। भारत इस समय ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौते पर बातचीत कर रहा है।

इजराइल ने अब हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडर सुहैल हुसैन हुसैनी को निपटाया

तेलअवीव (ईएमएस)। इजराइली सेना ने सात अक्टूबर को हमास के हमले के एक साल पूरे होने के बाद कहा कि उसने बेरूत में एक हमले में हिजबुल्ला के एक वरिष्ठ कमांडर को मार गिराया। इजराइली सेना ने कहा कि हमले में सुहैल हुसैन हुसैनी मारा गया जो आतंकवादी समूह के साजोसामान, बजट और प्रबंधन की देखरेख के लिए जिम्मेदार था। अभी हिजबुल्ला ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सेना ने कहा कि हुसैनी ईरान से आधुनिक हथियारों की आपूर्ति करने और हिजबुल्ला की विभिन्न इकाइयों में उनके वितरण में शामिल था तथा वह समूह की सैन्य परिषद का सदस्य था। इजराइल ने हाल के हफ्तों में किए हमलों में हिजबुल्ला के शीर्ष नेता हसन नसरल्ला और कई शीर्ष कमांडरों को मार गिराया है। हिजबुल्ला ने कहा कि उसने अपने मृतक कमांडरों के स्थान पर नई नियुक्तियां कर दी हैं।

हुसैनी हिज़बुल्लाह के एक वरिष्ठ नेता और संगठन के लॉजिस्टिक्स यूनिट के कमांडर थे। हुसैनी का काम संगठन के लिए महत्वपूर्ण सामरिक और संचालन से जुड़े कार्यों को देखना था, जिसमें हथियारों की आपूर्ति, संसाधनों का प्रबंधन, और संगठन की युद्ध क्षमताओं को मज़बूत करने से जुड़े कार्य शामिल थे। सैनी का सफाया हिज़बुल्लाह के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वह संगठन के मुख्य रणनीतिक और लॉजिस्टिक ऑपरेशनों में अहम भूमिका निभाते थे। हुसैनी जैसे उच्चस्तरीय नेता का खोना हिज़बुल्लाह के लिए बड़ा नुकसान है। यह संगठन को अंदरूनी रूप से कमजोर कर सकता है और उनके हथियारों की आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को बाधित कर सकता है।

लेबनान पर पानी के रास्ते हमला करेगा इजराइल

समुद्र से सटे 60 किमी के इलाके में न जाने की चेतावनी; घंटेभर में दागीं 120 मिसाइलें

बेरूत/तेल अवीव(ईएमएस)। इजराइली सेना ने कहा कि वह जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तटीय इलाके में ऑपरेशन शुरू करेगी। सेना ने लेबनान के लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है। न्यूज एजेंसी रक्क के मुताबिक मछुआरों को भूमध्य सागर से सटे 60 किलोमीटर तक के इलाके में ना जाने की चेतावनी दी है। इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने सोमवार को एक घंटे के भीतर साउथ लेबनान में 120 से ज्यादा हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया। लेबनान की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक इस हमले में कम से कम 10 फायर फाइटर्स (दमकलकर्मी) की मौत हो गई। इसके अलावा अभी भी कई लोग मलबे में दबे हुए हैं।

हवाई हमलों के साथ-साथ इजराइली सेना का दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकाने पर ग्राउंड ऑपरेशन भी जारी है। इस दौरान सोमवार को दो इजराइली सैनिकों की मौत हो गई। लेबनान के ग्राउंड ऑपरेशन में अब तक 11 इजराइली सैनिकों की जान जा चुकी है। उधर, इजराइली सेना ने कहा कि हिजबुल्लाह ने सोमवार को 190 रॉकेट्स दागे। इसमें कम से कम 9 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा बुनियादी सेवाओं को नुकसान पहुंचा है। इजराइली सेना ने कहा कि हाईवे और कई घरों पर सीधे हमले किए गए।

शांति सेना ने लेबनान में सीजफायर की मांग की

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना ने तुरंत सीजफायर की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना ने कहा कि हर दिन कई लोग मर रहे हैं। लोगों के घर तबाह हो रहे हैं। इलाके में शांति बहाल करने के लिए बातचीत ही एक रास्ता है। इसे शुरू करने का वक्त अब आ चुका है। संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना 1978 से साउथ लेबनान में तैनात है। इसका काम लेबनान और इजराइल के बीच संघर्ष को रोकने की कोशिश करना है।

लेबनान में मेडिकल सप्लाई शुरू करेगा चीन

चीन की फॉरेन मेडिकल ऐड एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि चीन जल्द ही लेबनान में इमरजेंसी मेडिकल सप्लाई शुरू करेगा। एजेंसी ने कहा कि लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह संघर्ष के बढ़ने से कई लोग प्रभावित हुए हैं। लेबनान सरकार के कहने पर चीन मेडिकल सेवाएं उपलब्ध कराने जा रहा है। इजराइली सेना ने कहा है कि उसने सोमवार को बेरूत पर हमले में हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर के कमांडर सुहैल हुसैन हुसैनी को मार गिराया। हुसैनी पर ईरान से हथियार लाने और हिजबुल्लाह के लडक़ों तक इसे पहुंचाने की जिम्मेदारी थी। हिजबुल्लाह ने अभी तक हुसैनी को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है।

अपने राजकीय मेहमान भगौड़े जाकिर नाइक को गाली दे रहे पाकिस्तानी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत से भगौड़े साबित किए जा चुके इस्लामिक स्कॉलर जाकिर नाइक इनदिनों पाकिस्तान में है। भगौड़ा पाकिस्तान में राजकीय मेहमान के तौर पर कार्यक्रम करने के लिए पहुंचा है। यहां उसका स्वागत हुआ। लेकिन नाइक ने पाकिस्तानियों के सामने उनके ही एयरलाइंस की आलोचना कर दी। हालांकि भव्यस्वागत के बाद भी पाकिस्तानी जाकिर नाइक को गाली दे रहे है।

बता दें कि नाइक पाकिस्तान सरकार के बुलावे पर मेहमान बनकर गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि सरकारी मेहमान होने के बाद भी एयरलाइंस ने उसके सामानों के पैसे वसूले हैं। इसकी आलोचना खुद जाकिर नाइक ने की है। लेकिन इस बात के लिए पाकिस्तानी नाइक को गाली नहीं बक रहे हैं। बल्कि उसके पुराने बयानों को लेकर जाकिर नाइक को लोग गाली सुना रहे हैं।

साद कैसर नाम के एक यूजर ने पोस्ट में नाइक को सुनाते हुए लिखा है। उन्होंने लिखा या तो किसी शादीशुदा आदमी से शादी कर लो या फिर बाज़ारू औरत बन जाओ। नाइक लगातार आपत्तिजनक बयान दे रहा है। इस किसने बुलाया? कृपया अगली बार इसतरह के अनपढ़ लोगों को न बुलाएं!'

एक और यूजर ने भी जाकिर नाइक को सुनाया है। उन्होंने लिखा 'अगर कोई लड़की (12) 112 साल के मुस्लिम आदमी से शादी करती है, तब वह जन्नत जाती है और हम कोई विरोध नहीं करते। यह इस्लाम है। पाक राज्य अतिथि। 'नैतिकता और विज्ञान के बजाय, पाकिस्तानियों ने 'उनका मार्गदर्शन' करने के लिए बाल-प्रेमियों को चुना। आप परिणाम से क्यों हैरान हैं? हफसा नाम की एक यूजर ने भी जाकिर नाइक को गाली सुनाई है। उन्होंने लिखा 'भारत में इस भगौड़े को बर्दाश्त करने की हिम्मत थी, उसके घृणित भाषणों को कई सालों तक बर्दाश्त किया, जब तक कि उसे प्रतिबंधित नहीं कर दिया गया। यह सवाल ही नहीं उठना चाहिए कि भारत ने उसके प्रवेश पर प्रतिबंध क्यों लगाया।

ईरान में भूकंप था या परमाणु परीक्षण

तेहरान(ईएमएस)। ईरान एक ऐसा देश है जहां भूकंप आते रहते हैं, लेकिन 5 अक्टूबर को देश में आए भूकंप ने यह चर्चा शुरू कर दी है कि क्या ईरान ने परमाणु परीक्षण किया है? भूकंप के समय और स्थान ने लोगों को ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जोड़ने पर मजबूर कर दिया और यह सवाल उठाया कि क्या इस्लामी देश अपने परमाणु हथियार बनाने के करीब है। हालांकि, परमाणु क्षमताओं का परीक्षण करने का मतलब यह नहीं है कि कोई देश हफ्तों के भीतर एक एक्टिव परमाणु हथियार हासिल कर लेगा।

तेहरान युनिवर्सिटी के इंस्टीटयूट ऑफ जियोफिजिक्स ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर 4.4 तीव्रता का भूकंप अरदान काउंटी, सेमनान प्रांत में सुबह 10:45 बजे दर्ज किया गया। यह भूकंप 12 किमी की गहराई पर आया। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि या खंडन नहीं हुआ है। कुछ एक्स हैंडल्स ने सोशल मीडिया पर ग्राफ शेयर किए हैं, जो दिखाते हैं कि भूकंपीय एक्टिविटी कैसे परमाणु परीक्षणों से जुड़े भूकंप से मेल खाती है। इनमें से किसी भी दावे को किसी एक्सपर्ट ने कन्फर्म नहीं किया है। भूकंप का समय, जो एक प्राकृतिक घटना है, ऐसा है कि इसने इन अटकलों को जन्म दिया है। एक अक्टूबर को ईरान ने इजरायल पर करीब 200 मिसाइल दागीं। ईरान ने यह मिसाइल इजरायल द्वारा हिज्बुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्ला और चरमपंथी संगठन के अन्य कमांडर को मारने के जवाब में दागीं। ईरान की कार्रवाई के बाद, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

संघर्ष के बीच भारत का फैसला, लेबनान को भेजेंगे मदद, अमेरिका-इजराइल हैरान

बेरुत ,(ईएमएस)। भारत ने इजराइल और ईरान के बीच संतुलन बनाकर दुनिया में ये साबित कर दिया कि वह अपने सभी दोस्तों के साथ खड़ा है। इस बार भारत ने लेबनान को मेडिकल सहायता देने का फैसला किया है। ये कदम अपने आप में बड़ी कूटनीतिक है। मध्य पूर्व में टकराव इजराइल और उसके पड़ोसी देशों के बीच बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। इजराइल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच के संघर्ष ने एक बड़ा रूप ले लिया है। इसके साथ इजराइल, ईरान के खिलाफ भी लंबे समय से लड़ाई जारी रखे हुए है। लेकिन इन सब के बीच भारत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। भारत ने न तो किसी पक्ष का समर्थन किया और न ही किसी से दुश्मनी मोल ली। हाल की घटनाओं के चलते कई पश्चिमी और यूरोपी देश इजराइल से दूरी बना रहे हैं। जी7 के सात देशों में केवल अमेरिका ही इजराइल का खुलकर समर्थन कर रहा और हथियार भी सप्लाई कर रहा है।

कई देशों ने इजराइल के खिलाफ सख्त रूख अपनाते हुए हथियारों की सप्लाई रोक दी है। अभी हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजराइल को हथियारों की सप्लाई रोकने की बात कह दी थी। अब भारत ने भी अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए इजराइल और ईरान दोनों के साथ अपने संबंधों को बनाए रखा है। इजराइल के हमलो में लेबनान के कई आम नागरिक घायल हुए हैं। इस स्थिति को देखते हुए भारत ने लेबनान के लिए मेडिकल किट और अन्य उपकरण भेजना का फैसला लिया है। ये फैसला उसकी फ्रेंडशिप फर्स्ट नीति को दिखाता है जहां वह अपने दोस्त देशों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटता है। लेबनान में भारत के इस कदम की तारीफ की है।

लेबनान के राजदूत ने भारत का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि ये मदद न केवल एक मानवतावादी कदम है बल्कि ये भारत अपने दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहता है। बता दें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने कहा है कि भारत में मुसलमानो का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने एक्स पर यह बात कही और दुनियाभर के मुसलमानों के बीच एकजुटता की जरूरत बताई लेकिन इसके बावजूद भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में सधा हुआ बयान दिया।

भारतीय टीम दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी

शाम 7 बजे से होगा मुकाबला

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम ने ग्वालियर में हुआ पहला टी20 आसानी से जीत लिया था। अब मेजबान टीम का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम बांग्लादेश भी अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी पर उसके लिए भारतीय टीम से पार पाना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम अब तक गेंदबाजी और बल्लेबाजी में उसे कहीं आगे रही है।

प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के बाद भी भारतीय टीम ग्वालियर में पहले मैच में अंत तक हावी रही। इससे भारतीय टीम की मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ का पता चलता है। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

सैमसन आमतौर पर मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं पर पहले मैच में उन्होंने पारी की शुरुआत की थी। वह 19 गेंद पर 29 रन ही बनाकर आउट हो गये थे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार का कहना है कि सैमसन सीरीज में आगे भी पारी की शुरुआत करेंगे। वहीं सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने वाले अभिषेक शर्मा पिछले मैच में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को आराम दिए जाने के कारण सैमसन और अभिषेक को खेलने का अवसर मिला है जिसका ये दोनो ही पूरा लाभ उठाना चाहेंगे।

भारतीय टीम में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। अपना पहला मैच खेल रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी ने ग्वालियर में शानदार प्रदर्शन किया था और ऐसे में वह टीम में बने रहेंगे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने तेज गेंदबाजी की कमान संभाली थी जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने तीन साल के बाद शानदार वापसी की थी। इसके अलावा ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश की बात करें तो उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पहले मैच में उसके बल्लेबाज विफल रहे थे। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने भी मैच के बाद स्वीकार किया था कि उनके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये पर कहा कि इस मैच में उसकी टीम वापसी के सभी प्रयास करेगी।

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), नितीश रेड्डी/तिलक वर्मा, हार्दिक पंडया, रियान पराग, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, मयंक यादव

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान),तंजीद हसन, लिटन दास (विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मेहदी हसन मिराज, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम

अमेरिकी वैज्ञानिक को फिजिक्स का नोबेल

स्टॉकहोम(ईएमएस)। फिजिक्स के नोबेल प्राइज 2024 की घोषणा हो गई है। इस साल ये प्राइज एआई के गॉडफादर कहे जाने वाले जैफ्री ई. हिंटन और अमेरिकी वैज्ञानिक जॉन जे. होपफील्ड को मिला है। उन्हें मशीन लर्निंग से जुड़ी नई तकनीकों के विकास के लिए ये सम्मान मिला है जो आर्टिफिशियल न्यूरॉन्स पर आधारित है। प्राइज की घोषणा रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस ने स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में की। दोनों विजेताओं को 8.90 करोड़ की राशि मिलेगी, जिसे दोनों में बराबर बांट दिया जाएगा।

मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने पत्नी संग किया ताज का दीदार

आगरा (ईएमएस)। ताजमहल का दीदार करने के लिए मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद मंगलवार को आगरा पहुंचे। आगरा में खेरिया एयरपोर्ट पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे ताज पहुंचे। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। उन्होंने ताज का दीदार किया और यहां फोटोग्राफी भी कराई।

राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे शिल्पग्राम पहुंचें। वहां उन्हें प्रदेश की संस्कृति और धरोहर से अवगत कराने के लिए मयूर नृत्य और रास प्रदर्शित किया गया। ताजमहल भ्रमण के बाद एयरफोर्स स्टेशन के खेरिया टेक्निकल एयरपोर्ट से मालदीव के लिए रवाना होंगे। कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि यह भारत और मालदीव के मैत्रीपूर्ण संबंधों को और सुदृढ़ करने का एक ऐतिहासिक पल

विकास यात्राः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 23 वर्षों की उपलब्धियों का जश्न

- ''विकास सप्ताह उत्सव'' के अंतर्गत गुजरात सरकार कर रही है ''विकास यात्रा'' का आयोजन

- राज्य के 23 प्रतिष्ठित स्थलों पर जाएगी यह ''विकास यात्रा''

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में 7 अक्टूबर को अपने जन सेवा काल के 23 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इन 23 वर्षों के उनके उल्लेखनीय सार्वजनिक जीवन के सम्मान में, गुजरात सरकार ''विकास सप्ताह उत्सव'' के अंतर्गत 7 से 15 अक्टूबर तक ''विकास यात्रा'' का आयोजन कर रही है। यह विकास यात्रा गुजरात के उन 23 प्रतिष्ठित स्थानों से होकर गुजरेगी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कर्मठता और अपने दृढ़ संकल्पों से विकास की दृष्टि में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। इन सभी 23 प्रतिष्ठित स्थलों में से प्रत्येक का गुजरात के पर्यटन, बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विकास, धरोहर संरक्षण और शहरीकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस विकास यात्रा का उद्देश्य पीएम नरेन्द्र मोदी के विकासात्मक उपलब्धियों को प्रदर्शित करना और इन परियोजनाओं से गुजरात आर्थिक-सामाजिक परिवेश में आए सकारात्मक बदलाव को जनता तक पहुँचाना है। इन स्थलों में से कुछ मुख्य की बात करें तो इनमें विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, शहरी पनुरुत्थान के मॉडल के रूप में विख्यात अहमदाबाद रिवरफ्रंट, विश्व का सबसे बड़ा ऑफिस कॉम्प्लेक्स डायमंड बोर्स और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कन्वेन्शन सेन्टर के तौर पर अपनी प्रमुख पहचान बना चुका महात्मा मंदिर, जैसे आइकॉनिक साइट्स शामिल हैं। वहीं, इनमें कुछ विरासत स्थल भी शामिल हैं जिनमें मोढेरा सूर्य मंदिर, वडनगर मठ, और द्वारका सुदामा पुल प्रमुख हैं जिन्हें नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर पर्यटन और संस्कृति के प्रमुख केंद्रों में परिवर्तित किया है। इसके अलावा, भारत की फिनटेक कैपिटल बन चुकी उच्छ्रू सिटी और अहमदाबाद स्थित देश की प्रस्तावित पहली बुलेट ट्रेन के एक स्टेशन साबरमती रेलवे स्टेशन जैसी अति आधुनिक परियोजनाओं को भी इस विकास यात्रा के गंतव्यों में शामिल किया गया है। इसी तरह, यह विकास यात्रा कई अन्य महत्वपूर्ण स्थानों जैसे पावागढ़ जो 51 शक्तिपीठों में से एक है और जहाँ प्रधानमंत्री जी ने 500 साल बाद ध्वजारोहण किया था, 2011 में स्थापित उस समय में देश का सबसे पहला सोलर पार्क चारणका और 2001 में कच्छ में आए भयावह भूकंप की स्मृति में बनाया गया स्मृति वन स्मारक जिसे इसी साल जून महीने में प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्सेल्स म्यूजियम, 2024 के लिए विश्व चयन में भी शामिल किया गया है, ये सभी शामिल हैं। इस तरह से यह विकास यात्रा आधुनिक विकास परियोजनाओं, तीर्थ स्थानों, और सांस्कृतिक-विरासत स्थलों से होकर गुजरेगी। ये सभी स्थान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता, राज्य में उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों, और पिछले 23 साल में उनके विभिन्न प्रयासों से आए उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये स्थान प्रधानमंत्री श्री मोदी की आधुनिकता और परंपरा के संयोजन की प्रतिबद्धता और सतत विकास को बढ़ावा देने के संकल्प को भी दर्शाते हैं। इस विकास यात्रा में प्रत्येक 23 स्थलों पर गाइडेड टूअर्स की व्यवस्था होगी और साथ ही, यहाँ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ व प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाएंगी। इस आयोजन में राज्य और देश भर से नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और पर्यटकों के भाग लेने की उम्मीद है। गुजरात सरकार द्वारा मनाया जा रहा विकास सप्ताह उत्सव, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उत्सव है, और इसके अंतर्गत हो रही विकास यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी के 23 वर्षों की सार्वजनिक सेवा के दौरान प्राप्त उपलब्धियों को सम्मानित किया जा रहा है। यह यात्रा भारत के विकास के भविष्य की एक झलक प्रदान करेगी, साथ ही गुजरात के विकास व नवाचार मॉडल की सराहना करेगी।

नवरात्र के दौरान अहमदाबाद में भारी वाहनों पर रोक, पुलिस ने जारी की अधिसूचना

8 अक्टूबर

Navratri के दौरान अहमदाबाद में भारी वाहन प्रतिबंधितः देशभर में इस समय नवरात्रि का पवित्र त्योहार मनाया जा रहा है। सभी माई भक्त गरबा खेलकर माताजी की पूजा करते हैं। लेकिन, अहमदाबाद में शाम के समय अत्यधिक ट्रैफिक खिलाड़ियों का मजा किरकिरा कर देता है। हालांकि खिलाड़ियों की इस समस्या को दूर करने के लिए अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस ने एक बड़ा फैसला लिया है. जिसमें नवरात्र तक रात 8 बजे से रात 2 बजे तक भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर ने इस बारे में नोटिफिकेशन जारी किया है.

नवरात्रि के पांच व्रत समाप्त हो गए हैं। हालांकि इस बीच शहरवासियों को ट्रैफिक की समस्या से जूझना पड़ा. साथ ही पुलिस की कड़ी व्यवस्था के बावजूद अपेक्षित रिस्पांस नहीं मिलने पर ट्रैफिक पुलिस विभाग ने यह फैसला लिया है. घोषणा के अनुसार रात 8 बजे से रात 2 बजे तक भारी से भारी वाहनों को दिन-रात व्यस्त रहने वाले एसजी हाईवे पर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गौरतलब है कि 33 से कम क्षमता वाले वाहन शहर में चल सकेंगे, लेकिन 33 से अधिक क्षमता वाले भारी वाहन जैसे ट्रैक्टर, टॉली और यात्री वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. पहले रात 10 बजे के बाद भारी वाहनों को प्रवेश दिया जाता था। इसमें बदलाव करते हुए यह फैसला लिया गया है. नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों या मालिकों के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज करेगी और वाहन जब्त कर आगे की कार्रवाई करेगी.

सरथाणा में बीआरटीएस रूट के रेलिंग से छलांग लगानेवाले युवक बाइक से टकरा, दोनों की मौत

सूरत (ईएमएस) शहर के सरथाणा क्षेत्र में हुई एक विचित्र घटना में दो लोगों की मौत हो गई सरथाणा क्षेत्र में बीआरटीएस रूट की रेलिंग पार करने के प्रयास में एक युवक बाइक सवार से टकरा गई इस हादसे में युवक और बाइक सवार दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई सरथाणा पुलिस मामले की जांच कर रही हैं जानकारी के मुताबिक सूरत के सरथाणा क्षेत्र में 38 वर्षीय दिनेश राणा नामक युवक ने सड़क पार करने के प्रयास में बीआरटीएस रूट की रेलिंग से छलांग लगाई ठीक उसी वक्त 19 वर्षीय साहिस वसावा वहां से मोटर साइकिल से गुजर रहा थी तब रेलिंग कूदने वाला दिनेश राणा उसके मोटर साइकिल से टकरा गयी इस हादसे में दिनेश राणा और साहिल वसावा की मौत हो गई हादसे के बाद दोनों मृतकों के परिजनों ने सरथाणा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई हैं पुलिस जांच में पता चला कि 38 वर्षीय दिनेश राणा उत्तर गुजरात के बनासकांठा का मूल निवासी था

अहमदाबाद मण्डल पर ''सतर्कता जागरूकता अभियान'' के अंतर्गत सेमीनार का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय और डीजल शेड साबरमती में 8 अक्टूबर 2024 को सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक सेमीनार का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य रेल कर्मचारियों में ईमानदारी, पारदर्शिता और सतर्कता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस वर्ष अभियान की थीम सत्य निष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि है, जो भ्रष्टाचार के उन्मूलन और नैतिक कार्यशैली को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस दौरान कार्मिक विभाग की सांस्कृतिक टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भ्रष्टाचार के हानिकारक प्रभावों को उजागर किया और ईमानदारी से कार्य करने के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी पश्चिम रेलवे, कुलदीप जैन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता बरतने की सलाह दी। उन्होंने सतर्कता संगठन की कार्यप्रणाली, उनकी जिम्मेदारियों, और हाल के विजिलेंस मामलों पर विस्तृत पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी।

उन्होंने कर्मचारियों से कार्य के दौरान होने वाली गलतियों और उनके समाधान पर चर्चा की, जिससे भ्रष्टाचार और अनैतिक गतिविधियों से बचा जा सके। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मियों को जागरूक कर नैतिकता और पारदर्शिता को बढ़ावा देना था। इस दौरान जैन ने डीजल शेड साबरमती का निरीक्षण भी किया तथा पर्यावरण को हरा-भरा रखने एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबंधक लोकेश कुमार, श्री दयानंद साहू, मुख्य परियोजना प्रबंधक राजेन्द्र कुमार, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) अनंत कुमार, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (लेखा) श्रीमती सीमा जखाड़ी और इंजीनियरिंग वर्कशॉप, ट्रेक मशीन विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी, सतर्कता निरीक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्नर गंतव्यों के लिए तीन फेस्टिवल स्पेदशल ट्रेनों का परिचालन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए वलसाड-बीकानेर, वलसाड-अजमेर और ओखा-भगत की कोठी के बीच विशेष किराये पर तीन फेस्टिवल स्पेलशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन विशेष ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 04714/04713 वलसाड-बीकानेर सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) ड12 फेरे.

ट्रेन संख्या 04714 वलसाड-बीकानेर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को वलसाड से 13.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.30 बजे बीकानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन 11 अक्टूबर, 2024 से 15 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04713 बीकानेर-वलसाड सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बीकानेर से 08.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.20 बजे वलसाड पहुँचेगी। यह ट्रेन 10 अक्टूबर, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, दुर्गापुरा, जयपुर, फुलेरा, नावा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना, मेड़ता रोड, नागौर और नोखा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3- टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09656/09655 वलसाड-अजमेर स्पेशल (साप्ताहिक) ड12 फेरे.

ट्रेन संख्या 09656 वलसाड-अजमेर स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वलसाड से 15.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.50 बजे अजमेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 अक्टूबर, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09655 अजमेर-वलसाड स्पेशल प्रत्येक बुधवार को अजमेर से 19.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.30 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 अक्टूबर, 2024 से 13 नवंबर, 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़, चंदेरिया, भीलवाड़ा, बिजयनगर और नसीराबाद स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्यात 04806/04805 ओखा-भगत की कोठी स्पेशल (साप्ताहिक) ड12 फेरे.

ट्रेनसंख्या04806 ओखा-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक रविवार को ओखा से 08.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03.00 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन 13 अक्टूबर, 2024 से 17 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04805 भगत की कोठी-ओखा स्पेशल प्रत्येक शनिवार को भगत की कोठी से 10.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.40 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 12 अक्टूबर, 2024 से 16 नवंबर, 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, वांकानेर, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, महेसाणा, पाटन, भीलडी, धानेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, दुँदाड़ा और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी टियर, एसी 3 टियर, एसी3-टियर(इको नॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्यकोचहोंगे। ट्रेन संख्या 04714,09656 एवं 04806 कीबुकिंग 09/10/2024 से सभी पीआरएसकाउंटरों और आईआर सीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया ै.हिल्लिब्रर्ह्रिंग्त ुदन्रह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गांधीधाम के निकट से 120 करोड़ की कोकीन के 10 पैकेट लावारीस स्थिति में बरामद

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में फिर एक बार नशीले पदार्थ के नशीले पैकेट बरामद हुए हैं कच्छ के गांधीधाम के निकट तालाब के किनारे पर झाडियों में छिपाए गए कोकीन के 10 पैकेट बरामद हुए हैं जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 120 करोड़ रुपए बताई जाती हैं कच्छ पूर्व के एसपी सागर बागमर के मुताबिक पूर्व सूचना के आधार पर गांधीधाम बी डिवीजन पुलिस ने खारीरोहर सीमा स्थित तालाब के निकट बबूल की झाडियों के बीच से कोकीन के 10 पैकेट बरामद किए हैं बरामद हुई 12 किलोग्राम कोकीन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत रु. 120 करोड़ होती हैं घटना स्थलसे समुद्र की खाड़ी केवल डेढ़ किलोमीटर दूर हैं आशंका है कि किसी तस्कर के जरिए कोकीन यहां तक लाई गई होगी इससे पहले 4 जून 2024 को खारीरोहर से कंडला की ओर जानेवालेरोड पर बबूल की झाडियों के बीच से 13 किलो कोकीन के पैकेट लावारीस स्थिति में बरामद की गई थी इसके अलावा 28 सितंबर2023 को गांधीधाम पुलिस ने यहां से कुछ दूरी पर मीठीरोहर सीमा से 800 करोड़ रुपए कीमत की 80 किलो कोकीन बरामद की थी इस प्रकार बीते एकसाल में एक पट्टी से 105 किलोग्राम जितनी कोकीन के लावारीस पैकेट बरामद किएजा चुके हैं खास बात यह है कि बरामद किए गए पैकेट आखिरकौन फैंक गया, इसकी कोई जानकारी नहीं हैं इन घटनाओं को लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं शक्तिसिंह गोहिल ने अपने ट्वीटरपर लिखा ''गुजरात के कच्छ जिले में12 किलोग्राम कोकीन से भरे 10 पैकेट बरामद हुए हैं, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 120 करोड़ रुपए हैं युवाओं को बर्बाद करने वाली कोकीन लगार गुजरात में बरामद हो रही हैं क्या भाजपा सरकार को इसकी चिंता नहीं है?क्या इसका ही विकास करने की भाजपा ने शपथ ली है?''

निद्राधीन महिला की गोली मारकर हत्या, पुरानी रंजिश में हत्या किए जाने की आशंका

अरवल्ली (ईएमएस) जिले के रामपुरा गांव में घर में सो रही महिला की एक अज्ञात शख्स ने गोली मारकर हत्या कर दी परिवार का आरोप है कि पुरानी रंजिश में महिला की हत्या को अंजाम दिया गया भिलोडा पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले की भिलोडा तहसील के रामपुरी गांव में 45 वर्षीय उर्मिला दिलीपभाई ताबियार परिवार के साथ रहती थी बीती रात उर्मिला ताबियार अपने घर में सो रही थी उस वक्त एक अज्ञात शख्स उनके घर में घुस गया और निद्राधीन उर्मिला ताबियार को गोली मार दी और घटनास्थल से फरार हो गया इस घटना में उर्मिला ताबियार की मौके पर ही मौत हो गई घटना की खबर मिलते ही एसीपी समेत पुलिस काफिला मौके पर पहुंच गया पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भिलोडा सिविल अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू कर दी घटना को लेकर परिवार का आरोप है कि पुरानी झगड़े की रंजिश में उर्मिला ताबियार की हत्या की गई हैं फिलहाल भिलोडा पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं

सूरत में हुआ अजीब हादसा, बीआरटीएस की रेलिंग फांद रहा युवक बाइक से टकराया, दोनों की मौत

सूरत,8 अक्टूबर,

गुजरात में इस समय नवरात्रि उत्सव चल रहा है. फिर सूरत से एक दुखद खबर आई है. जिसमें सूरत के सरथाणा में एक अजीब हादसा हुआ है. जिसमें बीआरटीएस रूट की रेलिंग पार कर रहे एक युवक की बाइक चालक से टक्कर हो गई और दोनों की मौत हो गई. इस घटना को लेकर दोनों मृतकों के परिजनों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है. पुलिस पूरी घटना की जांच कर रही है.

मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत के सरथाणा में बीआरटीएस रूट की रेलिंग फांदकर आगे जा रहा एक युवक बाइक सवार से टकरा गया। जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों जमीन पर गिर गए। तो इस हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जिसमें रेलिंग कूदने वाले युवक की पहचान दिनेश राणा (उम्र 38 वर्ष) के रूप में हुई है।

पुलिस जांच के मुताबिक, दिनेश राणा मूल रूप से बनासकांठा का रहने वाला है, उसका चाय का होटल था। अपनी पत्नी और बेटी के साथ सूरत में रहते थे। वहीं बाइक चालक की पहचान साहित वसावा के रूप में हुई है, जो एक साड़ी फैक्ट्री में काम करता था. साहिल वसावा अपने माता-पिता के साथ बर्दीपाड़ा में रहता था। इस मामले में दोनों के परिजनों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. जिसे लेकर पुलिस जांच का दौर शुरू हो गया है.

रोमियोगीरी कर रहे वाहन चालकों पर वडोदरा ट्रैफिक पुलिस की लाल नजर, मॉडिफाइड साइलेंसर वाली 7 बुलेट हिरासत में

वडोदरा 8 अक्टूबर

वडोदरा ट्रैफिक पुलिसः नवरात्रि के दौरान रात में मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बुलेट से ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले बुलेट चालकों पर ट्रैफिक पुलिस की नजर टेढ़ी हो गई है। जिसमें 7 बुलेट चालकों को गिरफ्तार कर उनके वाहनों को जब्त कर लिया गया और उनके विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है. आने वाले दिनों में भी ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले ऐसे मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वडोदरा शहर के पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार के निर्देश पर, यातायात पुलिस विभाग ने रात्रि गश्त, वाहन चेकिंग और नवरात्रि उत्सव के दौरान शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों और बाइक सवारों द्वारा विकृत शोर करके ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर क्षेत्र है कल 7 अक्टूबर की रात को यातायात पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान 7 बुलेट चालकों को मॉडिफाइड साइलेंसर से विकृत शोर करने और ध्वनि प्रदूषण फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। साथ ही उनके वाहनों को हिरासत में ले लिया गया है और उनके खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की गयी है.

ओखा-भगत की कोठी के बीच चलायी जाएगी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

टिकटों की बुकिंग 9 अक्टूबर से

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ओखा-भगत की कोठी के बीच विशेष किराये पर साप्ताहिक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 04806/04805 ओखा-भगत की कोठी स्पेशल (साप्ताहिक) ड12 फेरे.

ट्रेन संख्या 04806 ओखा-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक रविवार को ओखा से 08.20 बजे प्रस्थान करेगी, राजकोट उसी दिन 12.50 बजे और अगले दिन 03.00 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन 13 अक्टूबर, 2024 से 17 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04805 भगत की कोठी-ओखा स्पेशल प्रत्येक शनिवार को भगत की कोठी से 10.30 बजे प्रस्थान करेगी, राजकोट उसी दिन 23.00 बजे और अगले दिन 04.40 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 12 अक्टूबर, 2024 से 16 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, वांकानेर, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, महेसाणा, पाटन, भीलडी, धानेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, दुँदाड़ा और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, एसी 3- टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04806 की बुकिंग 9 अक्टूबर, 2024 से सभी पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के दिल्ली दौरे को लेकर गुजरात की राजनीति में अटकलों का दौर शुरू

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज अचानक दिल्ली रवाना हुए हैं एक गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में प्रदेश भाजपा प्रमुख और केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हो रही हैं ऐसे में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अचानक दिल्ली दौरे को लेकर गुजरात की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म हो गया हैं जानकारी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने भूपेन्द्र पटेल दिल्ली गए हैं मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे को लेकर सचिवालय में चल रहीं अटकलों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 साल पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और राज्य के विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत की थी। इस मौके पर गुजरात सरकार ने विकास सप्ताह मनाने की शुरुआत की हैं नरेन्द्र मोदी के राजनीति में सफल 23 साल पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल प्रधानमंत्री को बधाई देने और विकास सप्ताह के कार्यक्रमों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली गये हैं संभावना है कि मुख्यमंत्री के दोपहर तक गुजरात लौट आएंगे दूसरी ओर भाजपा सदस्यता अभियान को धीमी प्रतिक्रिया मिल रही हैं दो करोड़ सदस्यों के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक केवल 95 लाख सदस्यों का ही पंजीकरण हो सका है, जिसका असर नेतृत्व में दिख रहा हैं भाजपा के रिकॉर्ड 159 सीटें जीतने के बावजूद इस बार सदस्यता अभियान की लोकप्रियता कम हुई हैं 2019 में 1.19करोड़ सदस्य पंजीकृत हुए और भाजपा को 2024 में लगभग तीनकरोड़ वोट मिले है, इसके बावजूद सदस्यता अभियान की प्रतिक्रिया कम रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष पाटिल ने कई पुराने नेताओं और मौजूदा विधायकों को मंगलवार की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है. इस बैठक में सदस्यता अभियान को बढ़ावा देने और पेज कमेटी में अधिक सदस्य बनाने के लिए विशेष सुझाव दिये जायेंगे इसके साथ ही मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे के उद्देश्य को लेकर बनी अस्पष्टता ने राज्य में राजनीतिक बहस को हवा दे दी हैं

गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय में जलेबी से मुंह मीठा करवा मनाया हरियाणा जीत का जश्न

अहमदाबाद (ईएमएस) हरियाणा में लगातार तीसरी बार प्रचंड जीत के बाद देशभर में भाजपा जश्न मना रही हैं गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में जलेबी खिलाकर नेता और कार्यकर्ताओं ने हरियाणा जीत की एक-दूसरे को बधाई दी इस मौके पर गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख और केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील जलेबी बनाते नजर आए आमतौर पर जीत के बाद लड्डू या अन्य मीठाइयां बांटी जाती हैं, लेकिन हरियाणा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी के एक बयान ने जलेबी की मानो अहमियत बढ़ा दी हांलाकि जलेबी वाले बयान के बाद राहुल गांधी काफी ट्रोल हुए दरअसल हरियाणा के गोहाना में आयोजित एक चुनावी सभा के दौरान कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने राहुल गांधी को मातूराम की बड़ी जलेबियों का डिब्बा भेंट किया थी जिसके बाद राहुल गांधी ने मंच से ही इन जलेबियों की सराहना की और इनके निर्यात की संभावनाओं पर चर्चा की राहुल गांधी ने चुनावी सभा के मंच से जब इन जलेबियों के किसी बड़े कारखाने में तैयार किए जाने और हजारों लोगों को रोजगार मिलने के साथ ही देश-विदेश में निर्यात करने पर फोकस किया तो उन्हें खूब ट्रोल किया गया आज हरियाणा में शानदार जीत के बाद भाजपा ने भी लड्डुओं की बजाए जलेबी से मुंह मीठा कराया गुजरात भाजपा प्रमुख और केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटील कमलम में जलेबी बनाते नजर आए इस मौके पर गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे सभी एक-दूसरे को जलेबी खिलाकर हरियाणा में मिली प्रचंड जीत की बधाई दी

अहमदाबाद सहित 8 शहरों में तापमान 36 डिग्री से ऊपर, 3 डिग्री तक बढ़ने की संभावना

अहमदाबाद 8 अक्टूबर,

मानसून की विदाई के साथ ही पूरे गुजरात में तापमान भी बढ़ना शुरू हो गया है। अहमदाबाद सहित गुजरात के आठ शहरों में सोमवार (7 अक्टूबर) को औसत अधिकतम तापमान 36 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया।

सोमवार को अहमदाबाद का औसत अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक है। पिछले चार दिनों में अहमदाबाद का औसत अधिकतम तापमान 3 डिग्री बढ़ गया है. मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 3 दिनों तक अहमदाबाद का तापमान 37 डिग्री के आसपास रहेगा. वहीं एक निजी मौसम पूर्वानुमान संस्था की भविष्यवाणी के मुताबिक, अहमदाबाद का तापमान 20 अक्टूबर तक 35 से 37 डिग्री के बीच रहेगा.

सोमवार को गांधीनगर में औसत अधिकतम तापमान 34.4, जामनगर में 35, अमरेली में 35.5, भावनगर में 35.7, वडोदरा में 35.8, छोटा उदेपुर में 36.3, राजकोट में 36.8, डांग में 37.5, भुज में 37.6, सूरत में 37.2, डिसा में 37.8, नलिया में 38.2 डिग्री दर्ज किया गया।

विकास सप्ताह अहमदाबाद जिला

1962 करुणा पशु एम्बुलेंस गैर-वंशानुगत जानवरों और पक्षियों के लिए एक आशीर्वाद के रूप में काम कर रही है, अहमदाबाद में आवंटित तीन करुणा पशु एम्बुलेंस ने 7 साल पूरे किए।

पिछले एक वर्ष में 16945 पशु-पक्षियों को मौके पर ही उचित उपचार कर नया जीवन दिया गया

अहमदाबाद

गुजरात सरकार और ईएमआरआई। 1962 ग्रीन हेल्थ सर्विस के संयुक्त उद्यम करुणा एनिमल एम्बुलेंस ने 7 वर्ष पूरे किये। 1962 सेवा गैर-वंशानुगत पशु-पक्षियों के लिए आशीर्वाद का एक रूप है।

सफलता के 7 साल पूरे होने का जश्न टीम ने केक काटकर मनाया यहां उल्लेखनीय है कि 1962 की इस निःशुल्क सेवा के माध्यम से पिछले 1 वर्ष में 16945 पशु-पक्षियों को नया जीवन दिया गया है। 1962 करुणा एनिमल एम्बुलेंस ने रुमेनोटॉमी, सिजेरियन सेक्शन और दुर्घटनाओं में घायल जानवरों के जटिल ऑपरेशन भी किए हैं।

एयर इंडिया ए350 बेड़े और उन्नत लंबी दूरी के विमान पर उपलब्ध नए इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट ने विश्व यात्रा पुरस्कार 2024 में शीर्ष सम्मान जीता

गुरुग्राम, 08 अक्टूबर 2024: भारत की अग्रणी वैश्विक एयरलाइन एयर इंडिया को इस साल मनीला में आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड ट्रैवल अवार्ड्स (डब्ल्यूटीए) में एशिया की अग्रणी एयरलाइन इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट 2024 के प्रतिष्ठित खिताब से सम्मानित किया गया है। यह पहली बार है कि किसी भारतीय एयरलाइन ने यह खिताब जीता है।

विश्व यात्रा पुरस्कार, जिसे अक्सर ठयात्रा उद्योग का ऑस्करठ कहा जाता है, वैश्विक यात्रा और पर्यटन उद्योग के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता को स्वीकार करने, पुरस्कृत करने और जश्न मनाने का कार्य करता है। अपने 31वें वार्षिक संस्करण में पुरस्कारों ने दुनिया भर में उत्कृष्टता पर प्रकाश डाला। इस मान्यता के साथ एयर इंडिया अब वैश्विक एयरलाइनों के एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गई है, जिसने पिछले वर्षों में यह पुरस्कार जीता है।

एयर इंडिया के मुख्य ग्राहक अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा ने कहा ''यह पुरस्कार हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम उ